प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 29 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 22 अप्रेल 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

इतने खुश रहे कि जब दूसरे आपको देखें तो वह भी खुश हो जाए।
बीके शिवानी

कोरोना कर्फ्यू: सरकार मजदूरों की समस्या का आंकलन करने में विफल रही

माही की गूंज। संजय भटेवरा

गत वर्ष के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन में सबसे ज्यादा समस्याओं का सामना देश के विभिन्न प्रांतों में प्रवासी मजदूरों ने ही किया था। सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा... नंगे पैर... भूखे पेट... यही नहीं जो सरकार का मुख्य उद्देश्य था कोरोना के संक्रमण की चैन को तोडना, शायद वह भी कुछ हद तक सफल नहीं हुआ। यही कारण है कि, संक्रमण की पहली लहर में लगभग 10 लाख कोरोना के एक्टिव मरीज हो गए थे, पहले लॉकडाउन से सरकार को केवल यह फायदा हुआ कि, अपनी स्वास्थ्य सेवाओ को सुधारने का वक्त मिला, बाकी संक्रमण की चैन को तोड़ने का उद्देश्य तो पूरा नहीं हुआ। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वन नेशन- वन राशन कार्ड योजना लागू की थी जो अभी तक पूर्ण रूप से अमलीजामा नहीं पहन पाई है। अगर इस योजना पर गंभीरता से कार्य किया जाता तो वर्तमान में जब देश एक और लॉकडाउन की और बढ रहा है, यह योजना काफी कारगर साबित होती।

वर्तमान में देश के कई हिस्सों में लॉकडाउन 0.2 चल रहा है, जिसे लॉकडाउन ना कहते हुए कोरोना कर्फ्यू का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्र के नाम संदेश में कहा है कि, राज्य सरकार लॉकडाउन को अंतिम विकल्प के रूप में रखें और मजदूर वर्ग का विशेष ध्यान रखें, उनके रहने और टीकाकरण की व्यवस्था संबंधित राज्यों में ही करें। निश्चित रूप से इस और राज्य सरकारों का ध्यान दिया जाना विशेष आवश्यक है, क्योंकि लॉकडाउन की आशंका के चलते प्रवासी मजदूरों की घर वापसी पूनः शुरू हो गई है। लोग अपने घर जाने की हड़बड़ाहट में तमाम सरकारी गाइडलाईन का उल्लंघन कर रहे हैं, न तो मास्क का उपयोग हो पा रहा है और न ही शारीरिक दूरी का पालन हो रहा है। ऐसे में सरकार द्वारा गत वर्ष की गलतियों को ही दोहराया जा रहा है, जिसके चलते क्या कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सकता है?

बेहतर यही होता कि, सरकार कोरोना कर्फ्यू के लागू करने के पूर्व ही इन प्रवासी मजदूरों को जो जहां है वहीं रहने की हिदायत देती, साथ ही उनके खाने-पीने की व्यवस्था कार्यस्थल पर ही संबंधित व्यक्तियों द्वारा करने के निर्देश देती, जिससे मजदूरों में घर जाने की हड़बड़ाहट नहीं होती और कोरोना संक्रमण की मजबूत चैन को ब्रेक करने में बहुत बड़ी मदद मिलती।

प्रवासी मजदूरों का सरकार के पास रिकॉर्ड नहीं

सरकार की दूसरी सबसे बड़ी कमी है कि, मजदूरी करने के लिए पलायन करने वालों का सरकार के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है, जिससे पलायन करने वालों की संख्या तथा स्थान का पता नहीं चल पाता है। बेहतर होगा यदि सरकार ग्राम पंचायत स्तर पर इस प्रकार की योजना बनाए की जो भी मजदूर पलायन करने जाता हो उसकी संपूर्ण जानकारी पंचायत में दर्ज करवाकर जाए। जिससे सरकार के पास संख्यात्मक आंकड़े मौजूद रहे और विपरीत परिस्थितियों में वे आंकड़े योजना को लागू करने में सरकार की मदद करें।

निश्चित रूप से पूरी मानवता के लिए यह विकट समय है, ऐसे विकट समय में हर कोई अपने परिवार के पास जल्दी से जल्दी पहुंचना चाहता है। यदि सरकार इन मजदूरों को विश्वास में लेकर उनको जो जहां है वहीं रहने की व्यवस्था और खाने-पीने की व्यवस्था कर दे तो निश्चित रूप से कोरोना कर्फ्यू से ही हम इस संक्रमण की चैन को ब्रेक कर दें और देश को दूसरे लॉकडाउन की जरूरत ही ना पडे।

बिना हथियार के नही जीती जाती कोई भी जंग

एक मई से 18 वर्ष से ऊपर के लोगों का टीकाकरण प्रारंभ हो जाएगा, कोई भी लड़ाई बिना हथियार के नहीं जीती जा सकती है और कोरोना के विरुद्ध हमारी जंग में हमारे मुख्य हत्यार मास्क, शारीरिक दूरी और टीकाकरण ही है। अतः हमें इन हथियारों का उपयोग करना है, मास्क और शारीरिक दूरी के साथ ही टीका लगवाना बहुत आवश्यक है टीका अवश्य लगवाएं।

ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंचा ट्रक, लूट कर भागे उपद्रवी

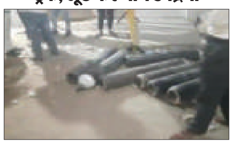

दमोह। जिला अस्पताल से ऑक्सीजन सिलेंडर की लूट का मामला सामने आया है। जिला अस्पताल में हुई इस घटना को लेकर कलेक्टर का कहना है कि, अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई पूरी थी। ऑक्सीजन में किसी तरह की कमी न हो जिसके लिए यह ऑक्सीजन मंगवाया गया था जिसे लुटेरो ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। जिलाधिकारी ने बताया कि, अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडरों से भरे ट्रक की एंट्री के बाद ही कुछ लोगों की भीड़ टूट पड़ी और सिलेंडर लेकर भागने लगे। हालांकि अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने कहा कि, इस घटना के लिए जिम्मेदार उपद्रवियों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफकेस दर्ज किए जा रहे हैं।

शव वाहनों के संग तस्वीर खिंचवाने वाले नेता घिरे, कांग्रेस ने बताया- शर्मनाक फोटोशूट

भोपाल एजेंसी। कोरोना के इस भयानक समय में अस्पतालों को ऑक्सीजन, बेड से लेकर शव वाहनों तक की कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश के बीजेपी उपाध्यक्ष आलोक शर्मा शव वाहनों के साथ फोटो खिंचवाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं।

बता दे कि, शर्मा ने सोमवार को भोपाल में अस्पतालों के लिए 6 शव वाहन प्रदान किए। लेकिन इन वाहनों को रवाना करते हुए शर्मा ने इनके साथ तस्वीर खिंचवाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दी जिसके बाद से ही बवाल मच गया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि, शर्मा के इस कार्यक्रम के चलते शव वाहनों को रोके रखा गया। मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता नरेंद्र सलूज ने कहा कि, शर्म करो बेशर्मों...? इंदौर में ऑक्सीजन के टैंकर को घंटो रोककर भाजपा नेताओ ने खूब फोटो बाजी की और अब भोपाल में भाजपा के पूर्व महापौर आलोक शर्मा शव वाहनो के साथ फोटो बाजी करते हुए, इंदौर में बन रहे कोविड केयर सेंटर पर भाजपा नेताओ का दौरा, आपदा में भी अवसर की फोटो बाजी कर रहे है।

कोरोना के डबल म्यूटेंट को भी बेअसर करती है कोवैक्सीन- आईसीएमआर

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की दूसरी लहर में सबसे अधिक मामले डबल म्यूटेंट वायरस से संक्रमित होने के आ रहे हैं। हालांकि, टीकाकरण अभियान भी बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हैं। इस बीच भारतीय चिकित्सा अनुसंधा परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि, भारत बायोटेक की मदद से तैयार स्वदेशी वैक्सीन यानी कोवैक्सीन डबल म्यूटेंट वाले वायरस को भी बेअसर करती है।

देश में निर्मित कोविड-19 का टीका ''कोवैक्सीन'' कोरोना के कई प्रकारों को निष्प्रभावी करता है और दो बार अपना उत्परिवर्तन कर चुके वायरस के प्रकार के खिलाफभी प्रभावी है।

कोविशील्ड वैक्सीन की कीमतः प्राइवेट अस्पतालों में 600 तो सरकारी में 400 रुपए की होगी एक खुराक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ जंग को तेज करते हुए एक मई से वैक्सीनेशन का दायरा बढ़ रहा है। राज्य सरकारों और प्राइवेट अस्पतालों को वैक्सीन कितने रुपए में मिलेगी, इसका ऐलान हो गया है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया ने राज्यों और प्राइवेट अस्पतालों के लिए वैक्सीन के एक डोज की कीमत तय कर दी है। जिसके मुताबिक कोविशील्ड की एक खुराक प्राइवेट अस्पताल में जहां 600 रुपए में मिलेगी, वहीं सरकारी अस्पताल में इसकी कीमत 400 रुपए होगी। यानी सरकारी अस्पताल में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग 400 रुपए देकर तो प्राइवेट अस्पताल में 600 रुपए देकर वैक्सीन लगवा सकते हैं।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया ने आगे कहा कि, कंपनी वैक्सीन की कुल उत्पादन का 50 फीसदी भारत सरकार के टीकाकरण कार्यक्रम को देगी और शेष 50 फीसदी वैक्सीन राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों के लिए होगी। बता दें कि, अब तक सिर्फ भारत सरकार ही टीका खरीद रही थी, मगर अब राज्य सरकार भी टीके को खरीद सकेंगी।

बता दें कि, अब तक बाजार में वैक्सीन उपलब्ध नहीं है और वैक्सीन निर्माता कंपनियां केंद्र सरकार को 250 रुपए प्रति डोज बेच रही है। बीते दिनों पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में यह फैसला लिया गया कि, एक मई से देश भर में कोरोना टीकाकरण का तीसरा राउंड शुरू हो रहा है, जिसमें 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को भी कवर किया जाएगा।

बेकाबू कोरोना: प्रदेश में 12 हजार 727 नए मरीज मिले, 77 लोगों की जान गई

भोपाल। प्रदेश में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार तक प्रदेश में 12 हजार 7 सौ से अधिक नए कोरोना मरीज मिले हैं, जबकि 77 लोगों की मौत हुई है। नए मरीज मिलने के बाद प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 78 हजार के उपर हो गई है, जबकि प्रदेश में कोरोना पॉजिटिविटी दर 24.07 प्रतिषात तक पहुंच चुकी है।

इंदौर में रिकॉर्ड मामले

इंदौर में कोरोना हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है। बुधवार को यहां 17 सौ के उपर नए केस आए, जबकि 8 लोगों की मौत हो गई। एक दिन में नए संक्रमित आने का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। जिले में तेजी से बढ़ रहे संक्रमण के बीच कलेक्टर मनीष

सिंह ने साफकर दिया है कि, 30 अप्रैल तक इंदौर में कोरोना कर्फ्यू रहेगा।

कोरोना कहर के बीच नई गाइडलाईन जारी

राज्य में तेजी से बढ़ रहे कोरोना मरीजों के बीच सरकार ने नई कोरोना गाइडलाईन जारी की है। जिसके मुताबिक अब आवश्यक सेवाएं देने वाले कार्यालयों को छोड़कर केंद्र व राज्य के सभी दफ्तर में सिर्फ10 प्रतिशत उपस्थिति रहेगी। वहीं ऑटो, ई रिक्शा में 2 सवारी, टैक्सी और निजी 4 पहिया वाहनों में ड्राइवर व 2 पैसेंजर को मुह पर मास्क बांधने के साथ यात्रा करने की अनुमति रहेगी।

मोहनखेड़ा में बनाया जा रहा 3 सौ बैड का कोविड अस्पताल

धार। बढ़ रहे कोरोना के मामलों के साथ समाजसेवी संस्थाएं भी ऐसे वक्त में आगे आ रही है। धार जिले में स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ मोहनखेड़ा के ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि, जैन तीर्थ मोहनखेड़ा में 3 सौ बेड का कोविड अस्पताल बनाया जाएगा।

ट्रस्ट ने जिला प्रशासन को सौंपा भवन

जिले में स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ मोहनखेड़ा ने एक भवन अस्थाई कोविड अस्पताल बनाने के लिए धार जिला प्रशासन को सौंपा है। जिसके बाद प्रशासन ने इस भवन को कोविड अस्पताल में तब्दील करने का काम शुरू कर दिया है। कलेक्टर ने भवन का निरीक्षण कर कुछ दिन में ही 3 सौ बेड का कोविड अस्पताल बनकर तैयार हो जाएगा।

सेंटर पर रहेगी सभी व्यवस्था

कलेक्टर के अनुसार उक्त अस्पताल में जिला प्रशासन की तरफ से अस्पताल में बेड, पैरामेडिकल स्टाफ दवाइयां और ऑक्सीजन की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा सेंटर में भर्ती मरीजों के लिए भोजन, पानी और योग की व्यवस्था जैन तीर्थ मोहनखेड़ा ट्रस्ट की तरफसे किया जाएगा। वही ट्रस्ट की ओर से आयुर्वेदिक उपचार, काढ़ा ओर स्टीम थेरेपी की भी व्यवस्था की जाएगी।

हेरा-फेरीः रेमडेसिविर की चोरी नहीं झूठी रची गई थी कहानी, अस्पताल में ही मिले 450 इंजेक्शन

भोपाल। हमीदिया अस्पताल में रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी होने की बात झूठ निकली है। पुलिस की अब तक की जांच में पता चला है कि, इंजेक्शन चोरी नहीं हुए थे, बल्कि उनकी हेरा-फेरी की गई थी। स्टाफके अन्य अधिकारियों को इस पर शक न हो, इसलिए चोरी की झूठी कहानी गढ़ी गई थी। क्राइम ब्रांच के इन्वेस्टीगेशन में 50 प्रतिशत इंजेक्शन अस्पताल के स्टोर रूम में ही रखे मिले हैं। वहीं, जो इंजेक्शन अभी भी नहीं मिले हैं, उनकी जांच की जा रही है।

स्टोर रूम में ही मिले 450 इंजेक्शन

क्राइम ब्रांच के एएसपी गोपाल धाकड़ ने बताया कि, अस्पताल के स्टोर रूम से चोरी हुए रेमडेसिविर इंजेक्शन के मामले में यह साफहुआ है कि, इंजेक्शन की हेरा-फेरी हमीदिया में चल रही थी। उसी को छुपाने के लिए चोरी की कहानी को गढ़ा गया था। चोरी हुए 863 इंजेक्शन में से 450 इंजेक्शन हमीदिया के स्टोर रूम में मिले हैं।

भांजे के नाते ही मेरी सुन लीजिए मामाजी

स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए कांग्रेस विधायक की मामा से अपील

कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक का कहना है कि जो वीडियो उन्होंने जे एच हॉस्पिटल के देखें हैं, वे दिल दहला देने वाले हैं। हॉस्पिटल में संक्रमितों से जानवरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। विधायक ने सरकार को चेताते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री द्वारा शहर पर ध्यान नहीं दिया गया तो स्थितियां और भी विकराल हो जाएंगी। मध्य प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर ने विकराल रूप धारण कर लिया है। ग्वालियर, इंदौर, भोपाल के बाद ग्वालियर में संक्रमितों की संख्या में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हो रही है। जिले में समय पर इलाज नहीं मिल पाने के कारण मरीजों की मौत का सिलसिला जारी है। इसी बीच ग्वालियर के अस्पतालों में मरीजों की परेशानी और 280 मरीजों पर दो कंसल्टेंट को लेकर कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक ने स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से अपील की।

भोपाल

कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक ने एक ट्वीट कर कहा कि कैसे आंसू हैं, सूख जाते हैं। कैसा पत्थर है, भीगता ही नहीं। मन बहुत विचलित है मुख्यमंत्री जी। कांग्रेस के विधायक के नाते नहीं तो भांजे के नाते ही मेरी सुन लीजिए। मैं आपसे अपने लिए नहीं, अपने शहर (ग्वालियर) के लिए हाथ जोड़ रहा हूं। इसके अलावा विधायक ने कहा कि जो वीडियो उन्होंने जे एच हॉस्पिटल के देखे हैं, वह दिल दहला देने वाला है। हॉस्पिटल में संक्रमितों से जानवरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। विधायक ने सरकार को चेताते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री द्वारा शहर पर ध्यान नहीं दिया गया तो स्थितियां और भी विकराल हो जाएंगी। आपको बता दें कि बीते दिनों कोरोना ने ग्वालियर में अपने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। पिछले एक सप्ताह में यहां पर मौतों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। ग्वालियर में कोरोना का खतरा इस बार युवा और बच्चों पर मंडरा रहा है। कोरोना का वायरस इन्हें अपनी चपेट में लेकर सीधे लंग्स पर अटैक कर रहा है, इसलिए अब बुजुर्गों के साथ ही युवा और बच्चों को भी अधिक सावधानी रखने की आवश्यकता है। अप्रैल माह में 1 दिन में 18 से 40 साल की उम्र के 4648 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं, जबकि 18 से कम उम्र के 535 बच्चों को कोरोना अपनी गिरफ्त में ले चुका है। यह आंकड़े डराने हैं। क्योंकि इससे पहले वर्ष 2020 में कोरोना का वायरस बुजुर्गों को ही अधिक प्रभावित कर रहा था, पर इस बार कोरोना युवाओं और बच्चों पर तेजी से हमला कर रहा है। आज कई युवा अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। इनमें कुछ तो जिंदगी की जंग हार भी चुके हैं, इसलिए अब सावधानी रखना अति आवश्यक है।

19 दिन में सर्वाधिक युवा हुए संक्रमित

पिछले 19 दिन में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ गई है। कोरोना की जांच कराने वाला हर चौथा व्यक्ति संक्रमित निकल रहा है। 19 दिन में 9272 लोग संक्रमण की चपेट में आए। इनमें सबसे अधिक संख्या 4648 युवाओं की है। जिनकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच है। जबकि बच्चों की संख्या बढ़कर इस बार 535 हो चुकी है। वहीं पिछले साल आधा सैकड़ा बच्चे ही संक्रमण की चपेट में आए थे।

अस्पताल में लड़ रहे कोरोना से जंग

निजी व सरकारी अस्पताल में भर्ती मरीजों में 61 फीसदी मरीज 20 से 45 वर्ष के बीच के हैं। जबकि 32.5 फीसदी लोग 40 साल से अधिक 34 के और 7.5 फीसदी बच्चे संक्रमण की चपेट में आए हैं। युवाओं में लंग्स संक्रमण का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। निजी अस्पताल में भर्ती 28 वर्षीय युवक के लंग्स 90 फीसदी संक्रमित बताए गए। इसी तरह से 27 वर्षीय युवती के लंग्स में 60 फीसदी संक्रमण बताया गया।

कब, कितने संक्रमित कितने की हुई मौत

दिनांक	संक्रमित	जाने वालों की संख्या
19 अप्रैल	1157	4
18 अप्रैल	1024	5
17 अप्रैल	985	5
16 अप्रैल	692	2
15 अप्रैल	595	5

बिसाहूलाल सिंह ने माना ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत

मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने कोरोना को लेकर सभी मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की। इस दौरान हाल ही में शहडोल के सरकारी अस्पताल में मौत की घटना को लेकर मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने ऑक्सीजन की कमी के चलते होना बताया। मंत्री सिंह ने कहा कि कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में पर्याप्त ऑक्सीजन होना जरूरी है। यहां 16 मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई थी। हाल ही में शहडोल के सरकारी अस्पताल में 16 लोगों की मौत की घटना सामने आई थी। हालांकि, मेडिकल कॉलेज के डीन ने ऑक्सीजन कमी के चलते मौत से इनकार कर दिया था।

वहीं, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने भी कहा था कि ज्यादातर मरीज गंभीर थे। जिसके चलते उनकी मौत हुई। हालांकि, मुख्यमंत्री के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने इन 16 मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी से होना बताया था। वहीं, पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव ने कोरोना का इलाज करा रहे मरीजों को लेकर अस्पतालों में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की बात कही। क्योंकि पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर इस तरह की मांग की जा रही थी।

लापता सांसद राकेश सिंह!

ढूंढकर लाने वाले को कांग्रेस ने दी इनाम देने की घोषणा

जबलपुर

कोरोना काल में बीजेपी सांसद राकेश सिंह का जबलपुरवासियों से दूर रहना कांग्रेस को नहीं रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इस वैश्विक महामारी में कांग्रेस और एनएसयूआई ने सोशल मीडिया पर बीजेपी सांसद राकेश सिंह को लापता बताते हुए उन्हें तलाश कर लाने वाले को उचित ईनाम देने की बात कही है। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे कांग्रेस के मैसेज पर राकेश सिंह ने भी फेसबुक में अपना वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि वह और उनके परिवार के 7 सदस्य कोरोना पॉजिटिव है और घर पर आइसोलेट है। कोरोना महामारी में जबलपुर सांसद राकेश सिंह का जनता के बीच न रहना कांग्रेस को नहीं भा रहा है। कांग्रेस और एनएसयूआई ने बीजेपी सांसद का फोटो सोशल मीडिया में पोस्ट किया है जिसमें लिखा है कि जबलपुर बेहाल है सांसद कहां है। सोशल मीडिया में एनएसयूआई ने यह भी लिखा है कि लगता है कि अब जबलपुर की स्ट्रीट लाइट लाल करवानी पड़ेगी तभी साहब दिख पाएंगे। एनएसयूआई ने अब सांसद राकेश सिंह को तलाश कर लाने वाले को उचित ईनाम देने की बात कही है।

जबलपुर सांसद राकेश सिंह, पर लापता होने का आरोप लगाने वाले एनएसयूआई कार्यकर्ताओं से जब पूछा गया कि आपके राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा भी तो जबलपुर को भूलकर दिल्ली में बैठे हुए हैं जिस पर एनएसयूआई कार्यकर्ता राहुल बघेल का कहना था कि हमारे सांसद भले ही दिल्ली में बैठे है पर उनकी नजरें जबलपुर में हैं और ऑक्सीजन की कमी की जैसे ही उन्हें जानकारी लगी तो पूर्व वित्त मंत्री तरुण भनोत के माध्यम से उन्होंने दो ट्रक ऑक्सीजन, जबलपुर के लिए भिजवाई है। कांग्रेस और एनएसयूआई के द्वारा लगातार राकेश सिंह के लिए किए जा रहे लापता पोस्ट का जवाब भी अब राकेश सिंह ने दिया है। सांसद राकेश सिंह ने फेसबुक के माध्यम से बताया की वह और उनके परिवार के सात लोग कोरोना पॉजिटिव है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर ने पांच मिनिट से ज्यादा भी बात करने को मना किया है बावजूद इसके वो लगातार डॉक्टर-प्रशासनिक अधिकारी और कार्यकर्ताओं से बात कर रहे है।

विधानसभा अध्यक्ष ने रीवा मेडिकल कॉलेज को विधायक निधि से दिए 50 लाख

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने रीवा के श्यामशाह मेडिकल कॉलेज में कोविड-19 के उपचार के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीदी हेतु अपनी विधायक निधि से 50 लाख रुपए की धनराशि प्रदान की है। रीवा जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर श्री गौतम ने कहा है कि उपकरण के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि विंध्य अंचल में कोविड-19 की विभिषिका झेल रहे आमजन को पर्याप्त उपचार समय पर प्राप्त हो सके। श्री गौतम ने इससे पूर्व श्यामशाह मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. मनोज इंदुलकर को भी पत्र लिखकर कोविड-19 के उपचार में आवश्यक उपकरणों की सूची मांगी थी। श्री गौतम ने अपने पत्र में रीवा कलेक्टर को निर्देशित किया है कि जिन उपकरणों की आवश्यकता है, उसकी जानकारी तत्काल प्रेषित करें एवं चूंकि वे योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी के भी प्रभारी हैं, इसलिए मेरे विधानसभा क्षेत्र देवतालाब की विधायक निधि से 50 लाख रुपए तक की कटौती करके इन उपकरणों की आपूर्ति करें। श्री गौतम ने रीवा कलेक्टर को यह भी अवगत किया है कि यदि अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है तो उसके बारे में भी सूचित करें, ताकि उसकी भी व्यवस्था की जा सके।

वैक्सीन लेते हुए फडणवीस के भतीजे की तस्वीर वायरल

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी ने सोमवार शाम एक ट्वीट के जरिए राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस पर एक आरोप लगाया। कांग्रेस ने अपने ट्विटर अकाउंट पर नागपुर के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट में कोरोना वैक्सीन लेते हुए एक युवक की तस्वीर शेयर की।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह तस्वीर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के भतीजे तन्मय की है। जोकि खुद तन्मय ने ही सोशल मीडिया पर शेयर की थी। वहीं तन्मय पर आरोप है कि सोशल मीडिया पर वैक्सीन लेते हुए तस्वीर वायरल होने के बाद इसे बाद में डिलीट कर दिया गया।

पंजाब में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में नवजोत सिंह सिद्धू?

चंडीगढ़

कांग्रेस की पंजाब इकाई में अभी तक पार्टी की ओर से कोई स्पष्ट भूमिका ना मिलती देख नवजोत सिंह सिद्धू अब बगावत के मूड में हैं? सिद्धू की ओर से अभी तक ऐसे कोई स्पष्ट संदेश तो नहीं दिए गए, लेकिन उनके कुछ हालिया दौरों से ऐसा लग रहा है कि वह राज्य इकाई के नेताओं को चुनौती देने के मूड में लग रहे हैं। एक दशक तक अपने निर्वाचन क्षेत्र अमृतसर में सक्रिय रहने के बाद सिद्धू दंपति अब पंजाब के सीएम कैप्टन सीएम अमरिंदर सिंह के निर्वाचन क्षेत्र पटियाला में कई बार पहुंचे। आधिकारिक तौर पर तो वह जनता पर असर डालने वाले मुद्दों को उठा रहे थे। उन्होंने दफ्तरों का उद्घाटन किया और लोगों से मिले। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सिद्धू राजनीतिक संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बावजूद सिद्धू ने अभी तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है कि वह मंत्रिमंडल में वापस आना चाहते हैं या नहीं। कैप्टन अमरिंदर ने अपने पूर्व कैबिनेट सहयोगी के साथ बैठक के बाद कहा था, 'हम उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं और आगामी चुनावों के लिए उन्हें वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।' वहीं सिद्धू का दावा है कि वह केवल कुशासन के शिकार लोगों के प्रति अन्याय का खुलासा करना चाहते हैं। उनका दावा है कि वह उन लोगों की मदद कर रहे हैं जिन्हें न्याय नहीं मिला है। इस बीच, उनकी पत्नी और अमृतसर पूर्व की विधायक नवजोत कौर को अक्सर यादविन्द्र कॉलोनी में अपने पति के पैतृक घर पर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलते हुए देखा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि वह पटियाला (ग्रामीण) और सनौर निर्वाचन क्षेत्रों के दो विधानसभा क्षेत्रों में भी दिलचस्पी ले रही हैं। नवजोत कौर सिद्धू पंजाब में जाट महासभा की महिला शाखा की राज्य अध्यक्ष हैं, इसलिए उन्होंने 'अनौपचारिक तौर पर' इस मंच का उपयोग दफ्तरों को खोलने और युवा नेताओं के साथ बैठकें करने के लिए चुना है।

गौरतलब है कि सिद्धू बरगाड़ी मामले में जांच रिपोर्ट सहित कई मुद्दों पर देर से सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वह जोर देकर कहते रहे हैं कि जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए हाईकोर्ट द्वारा हाल ही में कोटकपूरा फायरिंग घटना में फैसला सुनाने के बाद सिद्धू ने ट्वीट किया था- 'न्याय में देरी अन्याय के बराबर है।'

कोरोना वायरस मिलता, तो फडणवीस के मुंह में डाल देता

बुलढाणा। रेमडेसिविर का उत्पादन करने वाली एक दवा कंपनी के शीर्ष अधिकारी से दवा की कथित जमाखोरी को लेकर उठे विवाद के बीच शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा है कि अगर उन्हें कहीं कोरोना वायरस मिल जाता तो वह उसे बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस के मुंह में डाल देते। बुलढाणा से विधायक गायकवाड़ से पूछा गया था कि महामारी के इस दौर में अगर फडणवीस मुख्यमंत्री होते तो वह क्या करते इस पर विधायक संजय गायकवाड़ ने कि राज्य के मंत्रियों का समर्थन करने के बजाय भाजपा नेता उनका मजाक बना रहे हैं और सोच रहे हैं कि किस तरह प्रदेश सरकार को विफल किया जा सकता है। विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा कि इसलिए, अगर मुझे कोरोना वायरस मिल जाता तो मैं उसे देवेंद्र फडणवीस के मुंह में डाल देता।

बिहार पंचायत चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषित की ट्रेनिंग की तिथि

तय समय पर ही होंगे इलेक्शन

पटना | एजेंसी

बढ़ते कोरोना संकट के बीच बिहार में पंचायत चुनाव की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग के बीच ईवीएम विवाद सुलझ जाने के बाद अब इलेक्शन प्रक्रिया को लेकर कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अब जब यह तय हो गया है कि मल्टी पोस्ट नहीं, बल्कि सिंगल पोस्ट ईवीएम से चुनाव करवाए जाएंगे तो आयोग ने निर्वाची अधिकारियों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया है। ट्रेनिंग प्रोग्राम 22 से 24 अप्रैल के बीच होगा। मिली जानकारी के अनुसार, राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव योगेंद्र राम ने जिला पदाधिकारियों को पत्र लिखकर निर्वाची एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारियों के ट्रेनिंग प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी है। इसके अनुसार प्रशिक्षण ऑनलाइन होगा। पहले दिन 22 अप्रैल को पटना, सारण एवं कोसी प्रमंडल के प्रखंड निर्वाची अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह तीन घंटे का होगा। 23 अप्रैल को तिरहुत, दरभंगा, पूर्णिया और 24 अप्रैल को मगध, मुंगेर एवं भागलपुर प्रमंडल के निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण के दौरान नामांकन, संवीक्षा, मतदान प्रबंधन, ईवीएम, आईटी नीति, कोविड गाइडलाइन, विधि व्यवस्था जैसी बातों के बारे में बताया जाएगा। बता दें कि केंद्रीय और राज्य चुनाव आयोग के बीच इस बात पर सहमति बनने के बाद कि पंचायत चुनाव उन्हीं ईवीएम से होंगे, जिनसे लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए थे, भारत निर्वाचन आयोग ने ईवीएम की आपूर्ति के लिए पत्राचार शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि राज्य में पहली बार ईवीएम से पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में पूरी चुनाव प्रक्रिया बदली हुई होगी। आयोग के अनुसार ईवीएम की सुरक्षा एवं मतदान केंद्रों तक पहुंचाने-लाने की जिम्मेदारी जिला निर्वाची पदाधिकारी की होगी। जिलाधिकारी ही पंचायत चुनावों के जिला निर्वाची अधिकारी होते हैं। गौरतलब है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी-ग्रामीण विकास पदाधिकारी पंचायत चुनाव के निर्वाची अधिकारी होते हैं। अंचलाधिकारी एवं अंचलों में तैनात राज्य सरकार के दूसरे अधिकारी सहायक निर्वाची अधिकारी होते हैं। जिला परिषद के सदस्यों के निर्वाची अधिकारी एसडीओ होते हैं।

बता दें कि बिहार में तेजी से बढ़ते कोरोना संकट के बीच पंचायत चुनाव टलेगा या निर्धारित समय पर ही होगा, इस सवाल का जवाब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी बीते 18 अप्रैल को दे दिया था। उन्होंने मीडिया के इस सवाल पर कि क्या पंचायत चुनाव स्थगित किए जाएंगे, पर साफ-साफ कहा था कि राज्य सरकार ने अभी इस बारे में कुछ भी नहीं सोचा है। हालांकि, ऐसी कुछ चर्चाएं जरूर सामने आई हैं, लेकिन इस पर फैसला राज्य निर्वाचन आयोग को ही लेना है। अब जब आयोग चुनाव की तैयारियों में लगा हुआ है तो माना जा रहा है कि पंचायत चुनाव निर्धारित समय के भीतर करवाए जा सकते हैं।

'आप' के हुए कर्नल कोठियाल, विधानसभा चुनाव पर नजर

देहरादून

उत्तराखंड रत्न रिटायर्ड कर्नल अजय कोठियाल ने सोमवार को सारी अटकलों पर विराम लगाते हुए आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया है। देहरादून में कोविड को देखते हुए उन्होंने बेहद सरल समारोह में उत्तराखंड प्रभारी दिनेश मोहनिया की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली।

इस दौरान दिल्ली से आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी वर्चुअली जुड़े। उन्होंने कर्नल को सदस्यता दिलाते हुए उत्तराखंड नवनिर्माण की बात कही। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड में बेरोजगारी, पलायन जैसी बड़ी बड़ी समस्याएं हैं, जिन्हें पिछले 20 सालों से बीजेपी-कांग्रेस अपने भ्रष्टाचार से बदलना नहीं चाहती है।

उन्होंने कहा अब कर्नल के आने से आम आदमी पार्टी इनके भ्रष्टाचार को बेनकाब करेगी और उत्तराखंड में बदलाव की नई तस्वीर तैयार करेगी।

20 साल पहले बनाए इस राज्य के लिए कई लोगों ने संघर्ष किया। अपना भविष्य दांव पर लगाया, सिर्फ इस सपने को लेकर की अपना राज्य होगा, अच्छा अस्पताल होगा, अच्छी सड़कें, बिजली, रोजगार मिलेगा, यहां पहाड़ों में खुशहाली आएगी लेकिन आज कोई भी खुशहाल नहीं।

पिछले 20 सालों से उत्तराखंड को कुछ नहीं मिला, स्कूल बंद हो रहे, पलायन ने गांव वीरान कर दिया। इसका जिम्मेदार कौन है? सिर्फ बीजेपी और कांग्रेस जिन्होंने 20 साल उत्तराखंड में आपसी सहमति से राज किया। दोनों के राज में कई बार नेताओं के भ्रष्टाचार के मामले आए, लेकिन आज तक किसी भी दल ने एक दूसरे की जांच नहीं की। ये दोनों दल केवल मलाई खाना जानते हैं और जनता को लूटना जानते हैं।

उत्तराखंड का पानी और उत्तराखंड की जवानी अब बर्बाद नहीं होगी

बीजेपी पर पलटवार करते हुए केजरीवाल ने कहा कि चार साल बाद इन्होंने अपना मुख्यमंत्री बदल दिया, तब इन्होंने कोई काम नहीं किया। नया सीएम आया, उसने पुराने के फैसले बदल दिए। ये बीजेपी वाले, उत्तराखंड के साथ मजाक कर रहे हैं उधर केजरीवाल ने कहा कि उत्तराखंड का पानी और उत्तराखंड की जवानी अब बर्बाद नहीं होगी। उन्होंने उत्तराखंड की जनता से कहा कि आप अपने रिश्तेदारों से पूछो जो दिल्ली में रहते हैं वहां कैसी सुविधाएं मिलती हैं। आपको पता चल जाएगा, मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

दिनेश मोहनिया बोले- अब समय आ गया है...

इस दौरान आप प्रभारी दिनेश मोहनिया ने कहा अब समय आ गया है अब शहीदों के सपनों को साकार करना है। अब समय आ गया अब उत्तराखंड नवनिर्माण करना है। इसी सपने को लेकर उन्होंने कहा, आप के लिए आज का दिन बड़े हर्ष का दिन है क्योंकि आप ने तय था ऐसे आदमी के नेतृत्व में हम उतरेंगे, जो देश सेवा करने वाला हो, जिसने अपना पूर्ण जीवन देश सेवा में लगाया हो। कर्नल अजय कोठियाल उन सभी उम्मीदों पर खरा उतरते हैं। इसलिए उनके नेतृत्व में अब उत्तराखंड नवनिर्माण की नई गाथा लिखेंगे। उन्होंने कहा जिस तरह उत्तराखंड की जनता का समर्थन आप को मिल रहा 2022 में आप बेहतर विकल्प के तौर पर जनता की पहली पसंद बनेगी।

देवभूमि के विकास का नया मॉडल

केजरीवाल ने कहा कि हम मिलकर, देवभूमि के विकास का नया मॉडल बनाएंगे। मैं इस देवभूमि की मिट्टी को दुनिया के नक्शे पर विकसित बनाना चाहता हूं, क्योंकि यहां सारे संसाधन मौजूद हैं। सिर्फ काम करने की नियत चाहिए। इसके लिए हमने पूरी तैयारी भी कर ली। इस दौरान उन्होंने, कर्नल अजय कोठियाल के साथ मिलकर उत्तराखंड नवनिर्माण मिशन की योजना भी रखी इस दौरान सबसे पहले दोपहर से आयोजन स्थल पर कर्नल के इंतजार में लोग जमा हो गए थे। जैसे ही कर्नल आयोजन स्थल पर पहुंचे लोगों ने आप प्रभारी और कर्नल कोठियाल का पारंपरिक स्वागत किया। उसके बाद अपने समर्थकों के साथ कर्नल ने आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। कर्नल कोठियाल को राजनीति में आने को लेकर मीडिया में बहुत समय से कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन कर्नल कोठियाल ने बीते लोकसभा चुनावों में आखिरी समय में चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। जिसे अब उन्होंने आम आदमी में आने के बाद अपना सही फैसला बताया।

कर्नल कोठियाल ने मंच से कही ये बात

कर्नल कोठियाल ने मंच से अपनी यादों को ताजा करते हुए कहा आज के ही दिन उन्होंने आर्मी अफिसर की ट्रेनिंग पास करके फौज में शामिल हुए और एक बेहतरीन पारी खेली जिसमें उनके साहस और पराक्रम को देखते हुए भारतीय सेना भी उनको सलाम करती है। उन्होंने आज उसी दिन फिर एक नई जिम्मेदारी को लेते हुए आप में शामिल होकर, उत्तराखंड नव निर्माण की कसम खाई। उन्होंने कहा आज मेरे लिए बड़ा दिन है सुबह सुबह मैं, मां गंगा में डुबकी लगा कर अपने दिन की शुरुआत करके अब मैं लौट रहा था तो मेरी आंख लगी और मुझे सपनों में साक्षात केदारनाथ बाबा के दर्शन हुए। जो मैंने उस समय देखे थे जब केदारनाथ पुनर्निर्माण के लिए मैं वहां पहुंचा था। इसके अलावा उन्होंने अपने सेना के कई किस्से सुनाए, केदारनाथ आपदा के पलों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि आज वो अपनी एक नई पारी खेल रहे, नए कदम आप में रख रहे हैं। उन्होंने केजरीवाल और मोहनिया को शुक्रिया करते हुए जनता के समर्थन को भी दिल से धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश प्रभारी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पौधे एवं स्मृति चिन्ह के रूप में कुमाऊं और गढ़वाल रेजीमेंट के प्रतीक चिन्ह, टेंट की प्रतिमा और गोरखा रेजिमेंट की खुखरी भेंट की। आप में शामिल होने के बाद कर्नल अजय कोठियाल सीधे शहीद स्थल पहुंचे जहां उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ये सभी शहीद हैं जिन्होंने राज्य के लिए अपना जीवन दांव पर लगा दिया अब समय आ गया जब उनके सपनों को पूरा करना है। इसके बाद वो सीधे सैन्य धाम पहुंचे।

अवैध झोलाछाप बंगालियों पर बंद का कोई असर नहीं, मरीजों को इकट्ठा कर, दे रहे हैं उपचार

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

एक तरफ पूरा प्रदेश कोविड-19 के चलते कई तरह की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर है और सरकार के द्वारा कोरोना से बचाव के लिए गाइडलाईन जारी की गई है और कई जिलों में बंद रखा गया है मगर झाबुआ जिले के पेटलावद तहसील के ग्राम बनी में अवैध झोलाछाप बंगालियों पर कोराना जैसी महामारी का कोई भय नहीं है, इन अवैध झोलाछाप बंगालियों के द्वारा अपने क्लीनिक पर मरीजों को इकट्ठा कर बिना मास्क, बिना सोशल डिस्टेंसिंग के इलाज किया जा रहा है और भोले-भाले आदिवासियों से मोटी रकम लूटी जा रही है।

वही मौसम के बदलाव से आसपास के क्षेत्रों में बुखार और टाइफाइड के मरीजों की संख्या अधिक बढ़ रही है उसी के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में भय का माहौल व्याप्त है की यदि हम सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने जाते हैं तो हमें कोरोना पेशेंट समझ कर भर्ती किया जाएगा और हमें कुछ दिनों बाद जबरदस्ती मार दिया जाएगा और हमारे शरीर में से कीमती सामान निकाल कर हमारा अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। इस भय के कारण ग्रामीण क्षेत्र के लोग सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने के बजाय अवैध झोलाछाप बंगालियों से इलाज करवा रहे हैं, मगर इन बंगालियों के द्वारा कोविड-19 की गाइडलाईन का पालन नहीं किया जा रहा है और बिना किसी डर के भोले-भाले आदिवासियों को इकट्ठा कर उनका इलाज किया जा रहा है।

गांव में वर्षों से जमे बंगालियों द्वारा अब अपने क्लीनिक को छोड़ अपने आवास पर इलाज करना शुरू कर दिया है, घर पर इलाज करने का सिलसिला माही की गूंज में समाचार प्रकाशित होने के बाद शुरू हुआ, मगर प्रशासन के द्वारा इन झोलाछाप अवैध बंगालियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।पूर्व कलेक्टर रोहित सिंह द्वारा जिले के समस्त बीएमओ को निर्देशित किया गया था कि, अपने-अपने क्षेत्र में जितने भी अवैध झोलाछाप बंगाली क्लीनिक संचालित कर रहे हैं तत्काल उनके क्लीनिक पर जाकर छापामार कार्रवाई कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेजें, मगर संबंधित विभाग द्वारा आज तक ऐसी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई जिससे कि इन अवैध बंगालियों पर अंकुश लगाया जाए और क्षेत्र की भोली-भाली जनता को इनसे मुक्त कराया जाए। संबंधित विभाग के द्वारा खानापूर्ति के नाम पर औपचारिक कार्रवाई की जाती है और कार्रवाई के पहले ही अवैध झोलाछाप बंगाली या तो आपना क्लीनिक बंद कर देते हैं या क्लीनिक छोड़कर भाग जाते हैं

पुलिस एवं राजस्व विभाग ने दिखाई सख्ती

सड़कों पर बिना काम से घूमने वालों पर चल रही चालानी कार्रवाई

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

जिला प्रशासन एवं पेटलावद एसडीएम के आदेशानुसार सोमवार को सारंगी में पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग ने सख्ती दिखाई सुबह जरूर बाजार में चहल-पहल नजर आई परंतु 9 बजे से पुलिस ने लोगों को पकड़कर चालान के साथ सख्ती की तो बाजार में सन्नाटा पसरा नजर आया इस दौरान पुलिस ने बिना काम के घूमने वालों को डंडे लगाकर दोबारा नहीं दिखने की समझाइश दी हे

जिला प्रशासन के आदेश अनुसार जब से सारंगी में कोरोना कर्फ्यू लगाया गया ग्राम में वीरानी छाई हुई है ग्राम में फालतू आने जाने वाले लोगों को रोक कर पुलिस ने पूछताछ की बिना मास्क के घूमने वाले लोगों को सख्त हिदायत देकर मास्क पहनने को कहा गया सुबह से ही पुलिस की गाड़ि ग्राम में भ्रमण कर रही थी और यह सिलसिला शाम तक चलता रहा चौकी प्रभारी अशोक बघेल के साथ पटवारी पुलिस स्टाफ एवं राजस्व अमले ने अभियान चलाया और चालानी कार्रवाई भी की सभी अधिकारियों ने ग्राम का भ्रमण कर लोगों से घरों में रहने और मास्क लगाने की हिदायत दी तो बाजार में घूम रहे वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई भी की सारंगी चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने बताया बेवजह घूमने वालों पर चालानी करवाई में 11 चालन बनाए गए इसमें 1250 रुपए चालान वसूल किए गए

चालानी कार्रवाई में राजस्व निरीक्षक एस गणावा पटवारी ईश्वर लाल पाटीदार दीपक वास्केल सुशील नलवाया अरविंद मंडलोई शैलेंद्र सिंह चौहान चौकीदार आदि का सराहनीय सहयोग रहा

ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग भी राहा अलर्ट

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एमओ डॉ सुरेश कटारा ने बताया सारंगी पी एस सी के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी घर घर जाकर सर्वे कर रहे हैं स्क्रीनिंग भी कर रहे हैं तथा 45 से 60 वर्ष के ऊपर के लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए समझाइश दे रहे हैं डॉ सुरेश कटारा ने लोगों से अपील की मास्क लगाएं दूरी बनाए रखें बिना वजह बाजारों में नहीं घूमे घर में रहे सुरक्षित रहे इसी में आप और हम सब की भलाई है प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करें प्रशासन को सहयोग करें।

बढ़ते कोरोना पेशेंट को देखते हुए बाफना ने की निःशुल्क भोजन की व्यवस्था

माही की गूंज, मेघनगर। कोरोना काल में मेघनगर के समाजसेवी विनोद बाफना ने मेघनगर के बाफना फाइबर पर भोजन के टिफिन एवं पैकेट की व्यवस्था की है। श्री बाफना का कहना है जिन घरों में कोरोना के पेशेंट 4 से 5 या इससे अधिक है या घर का कोई मुखिया कोरोना से ग्रसित हो उस घर की व्यवस्था डगमगा जाती है इसी को देखते हुए श्री बाफना ने निशुल्क भोजन के पैकेट एवं टिफन की व्यवस्था की है इसी को देखते हुए 12 घंटे यह व्यवस्था चालू है। ऐसे समाजसेवी विनोद बाफना द्वारा एक सराहनीय व्यवस्था की गई।

सूखी धरती करें पुकार, महामारी में तो टैंकर शुरू करो सरकार

कोरोना के कहर: घाटा क्षेत्र की जनता पीने के पानी को गड्ढो में रही तलाश

– हालरापाडा गांव में तेलनी नदी के सूखे पेटे में खोले गड्ढे से गंदा पानी भरती महिलाएं।

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)

कोरोना का विकराल और भयावह रूप, ऊपर से पूरा इलाका नान कमांड, रोजगार के कोई संसाधन नहीं, स्वयं को सुरक्षित रखने की बड़ी समस्या और सरकार का फरमान है कि, घरों में रहे सुरक्षित रहे। लेकिन जहां पीने के पानी का बंदोबस्त करना गर्मी के दिनों में टेढ़ी खीर है, वहां एडवायजरी का पालन करना चाहकर भी नहीं हो पाता है। यही स्थिति इन दिनों बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ उपखंड के सबसे ज्यादा नान कमांड इलाका कहे जाने वाले खेड़ा धरती घाटा क्षेत्र की है। जहां छोटी सरवा के हालरापाडा गांव में करीब एक माह से सूखी तेलनी नदी के पेटे में गड्डे खोदकर अपने लिए और माल मवेशियों के लिए अलसुबह से देर शाम तक पीने के पानी का बंदोबस्त करने की कहानी सालों से चली आ रही है। जहां अमूमन हर साल नान कमांड गांवों में 15 अप्रैल से पानी के टेंकर शुरू कर दिए जाते हैं, लेकिन इस बार वो भी अब तक शुरु नहीं हो पाए हैं। घाटा क्षेत्र के मोहकमपुरा बंधी बस्ती जैसे कस्बे में भी पीने के पानी का बंदोबस्त नहीं होकर पंचायत मोहकमपुरा, भंवरदा, सातलिया, रूपगढ़, बावलियापाडा, बावड़ी निनामा, बिजौरी, शोभावटी, पाटन, बड़ी सरवा, महुडा सहित अन्य पंचायत के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों के लिए पीने के पानी का बंदोबस्त करना भारी पड़ रहा है। नान कमांड घाटा क्षेत्र के ग्रामीण जहां खरीफ की एक फसल पर निर्भर है, जहां इन दिनों गुजरात, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में पलायन पर रहते हैं। ऐसे में इन दिनों कोरोना संक्रमण के चलते आधे से अधिक जनता गांवों में है।

कोरोना के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में दे रहे हैं समझाईश

माही की गूंज, आम्बुआ (अलीराजपुर)।

क्षेत्र में कोरोना का प्रकोप जारी है, यह शहर व कस्बों से होकर अब ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पांव पसार रहा है। वर्तमान समय विवाह आदि कार्यक्रमों का भी चल रहा है इसमें डीजे साउंड पर ग्रामीण झुंड के झुंड एकत्र होकर रात भर नाचते हैं जिसमें संक्रमण फैलने का भय बना रहता है। हल्का पटवारी जितेंद्र डुडवे ने बताया कि, प्रशासन के निर्देशानुसार वह तथा पुलिस प्रशासन एवं ग्राम सचिव गिलधार सिंह ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को समझाइश दे रहे हैं कि, वे कोरोना से बचाव हेतु डीजे आदि का उपयोग ना करें तथा भीड़ एकत्र न करें मास्क का उपयोग करें तथा सर्दी-खासी, बुखार आदि होने पर जांच कराएं तथा कोरोना वैक्सीन भी जरूर लगवाएं

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झकनावदा इस समय स्वास्थ्य सुख सुविधाओं का इंतजार करता हुआ चारपाई पर खड़ा है

माही की गूंज, झकनावदा। आनंद सिंह सोलंकी/रमेश सोलंकी

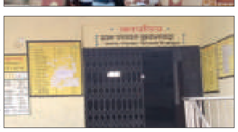

पेटलावद तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत झकनावदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जहां क्षेत्र में करीब 25-30 पंचायत लगती है। यह रहवासी इसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही निर्भर है। बात करे यहां डॉक्टर के स्टाफकी तो केवल एक ही मात्र एमओ डॉक्टर एमएल चोपड़ा ही है, जो क्षेत्र की जनता को सुबह 11 बजे तक संभालते हैं, उसके बाद पेटलावद अपने बीएमओ पद का निर्वाह करने के लिए चले जाते हैं। जिसके बाद यहां पर मेडिकल स्टाफमें एक अच्छा ड्रेसर भी नहीं है, कई समय से डाक्टर एवं स्टाफके पद अभी तक खाली है। डिलीवरी के लिए सरदारपुर (धार), पेटलावद जाना पड़ता है, कभी-कभी तो लोगों की जान पर बन आती है। साथ ही लैब टेक्नीशियन है परंतु लैब पैथोलॉजी में कोई सुविधा नहीं है, सरकार के स्वास्थ्य विभाग को लेकर विकास के दावे खोखले साबित हो रहे हैं और झकनावदा से धीरे-धीरे लोग कोरोना काल में स्वास्थ्य सुविधा व ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ते नजर आ रहे हैं। जिला प्रशासन, कलेक्टर, सांसद आदि सभी जनप्रतिनिधियों से झकनावदा की जनता माही की गूंज के माध्यम से अपील करती है की आप लोगों से सिर्फमास्क पहनने, हाथों को बार-बार धोने, सेनीटाइज करने, दो गज की दूरी है जरूरी, आदि बातें तो बताइ ही है, परंतु हकीकत में कुछ हॉस्पिटल में सुविधा भी दीजिए, केवल अपील करने से ही सारी चीजें अपने आप नहीं सुधर जाएगी। सारी चीजों को धरातल पर लाना पड़ता है।

सेनीटाइजर के छिड़काव में भी पंचायत की उदासीनता

झकनावदा के सचिव के उदासीन रवैये के कारण पंचायत की बड़ी लापरवाही खुलकर सामने आई है इसमें गांव में एक दो जगह सचिव द्वारा सैनिटाइजर किया गया, उसके बाद गांव में कहीं पर भी सेनीटाइजर नहीं किया गया।

लॉकडाउन के कारण चारों ओर सन्नाटा पसरा, बीमारों की संख्या में प्रतिदिन इजाफा

माही की गूंज, आम्बुआ (अलीराजपुर)।

कोरोना के संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए शासन ने क्षेत्र में कोरोना कर्फ्यू लगाया हुआ है, जिससे बाजार में सन्नाटा पसरा है, लोगों को रोजमर्रा की सामग्री की परेशानी तो हो रही है मगर बीमारी से बचाव हेतु सब का समर्थन मिल रहा है। लॉकडाउन के बावजूद बीमारों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है, सरकारी तथा निजी चिकित्सालय में भीड़ बढ़ रही है।

वर्तमान समय एक ऐसे अदृश्य संकट का सामना कर रहा है जो कि कोरोना नाम से बीमारी फैला रहा है। माहीं की गूंज ने भगोरिया पर्व के पूर्व ही आशंका जाहिर की थी कि, भगोरिया यदि संपन्न हुए तो उसके बाद कोरोना का विस्फोट हो सकता है और हुआ भी यही। संपूर्ण क्षेत्र इसकी चपेट में आ गया है, स्थिति यह है कि, हर घर में कोई ना कोई बीमार है, साधन संपन्न दाहोद-बड़ौदा आदि स्थानों पर जाकर इलाज करा रहे हैं। मगर गरीब घरों में पड़े मरीज कराह रहे हैं, कुछ देसी इलाज तो कई झाड़-फूंक में लगे होकर जान जोखिम में डाले हुए हैं। इधर किओस्क सेंटर आदि बंद होने से वित्तीय लेन-देन बंद होने से लोगों का जमा पैसा भी नहीं मिल पाने के कारण परेशानी उठाना पड़ रही है।

20 पंचायतों को पचास हजार की आबादी का स्वास्थ्य राम भरोसे

सरकारी सुविधा नहीं, तो महामारी में नीम हकीम के भरोसे चल रहा इलाज

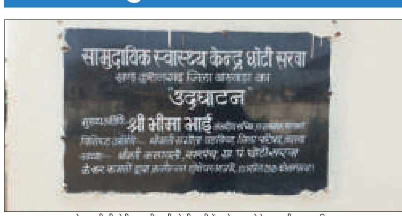

खेड़ा धरती की छोटी सरवा पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत करने के बाद लगी उद्घाटन पट्टिका।

छोटी सरवा में पीएचसी के समय से संचालित भवन जहां संसाधन और स्टाफका पूरी तरह अभाव।

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

विश्व सहित पूरे देश, प्रदेश में विकराल रूप धारण कर चुका कोरोना वायरस संक्रमण महामारी तांडव नृत्य कर रहा है, जिसको लेकर केंद्र और राज्य सरकार नित नवीन एडवायजरी जारी करने के साथ आमजन को घरों में रूकने की अपील कर रही है। वही प्रदेश के अंतिम दक्षिणी छोर बांसवाड़ा जिला मुख्यालय के सूदूर म.गु. व गुजरात सीमावर्ती कुशलगढ़ उपखंड के खेड़ा धरती घाटा क्षेत्र की आम जनता का स्वास्थ्य राम भरोसे है, जहां ऐसी भयंकर महामारी में बुखार, सर्दी जुकाम या अन्य समस्या होने पर क्षेत्र में करीब बीस ग्राम पंचायतों में निवास करने वाली पचास हजार से अधिक आबादी के बिच कहने को दो सरकारी अस्पताल है। जिनमें छोटी सरवा और मोहकमपुरा कस्बे में अस्पताल होकर मोहकमपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होकर छोटी सरवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को पिछली भाजपा सरकार में करीब तीन साल पहले पीएचसी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत तो कर दिया है। लेकिन तीन साल गुजरने के बावजूद अभी तक भवन से लेकर स्टाफ या अन्य संसाधन की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है।

बता दें कि, 10 अप्रैल 2018 को भाजपा सरकार के पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई के करकमलों में छोटी सरवा सीएचसी में क्रमोन्नत होकर आज भी वही पुराना भवन और वही स्टाफहै ऐसे में क्षेत्र में कुशलगढ़ के बाद सबसे बड़े अस्पताल के रूप में छोटी सरवा तीन साल से क्रमोन्नत होने के बावजूद स्थितियां जस की तस है। ऐसे में सुदूर जनजाति बाहुल्य घाटा क्षेत्र में छोटी सरवा सीएचसी में सुविधाओं, संसाधन और स्टाफकी महती आवश्यकता है।

जानकारी अनुसार छोटी सरवा सीएचसी में स्टाफके निवास के लिए भवन नहीं है, अस्पताल में मेल-फीमेल वार्ड की व्यवस्था भी नहीं है, सीएचसी में एंबुलेंस भी लंबे समय से खराब पड़ी है। सरकारी अस्पताल व सब सेंटरों पर सुविधाएं नहीं होने से म.प्र. सीमावर्ती बड़ी सरवा कस्बे से लगाकर पाटन, छोटी सरवा और बड़ी सरवा में तथाकथित नीम हकीमों की पौ बारह है, जहां गरीबों का बिना डिग्री और अनुभव बिना मान्यता के इलाज करने के साथ चांदी काट रहे हैं, साथ ही गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी हो रहा है। घाटा क्षेत्रवासियों की मांग है कि, छोटी सरवा सीएचसी में सारी सुविधाएं हों साथ ही मोहकमपुरा सहित स्वास्थ्य केंद्र सब सेंटरों पर स्टाफनियमानुसार सेवाएं दे।

नवीन पंचायत भवन का उद्घाटन

माही की गूंज, जामली।

ग्राम जामली मे नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन का उदघाटन किया गया। इस दौरान कोरोना महामारी के चलते सिमीत कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। 15 लाख की लागत से निर्मित पंचायत भवन का ग्राम के वरिष्ठ नागरिक ठाकुर ब्रजभुषण सिंह राठौर ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान ग्राम प्रधान अंबाराम वसुनिया, उपप्रधान मनीष जैन उपस्थित रहे। गौरतलब है कि, पुराना ग्राम पंचायत भवन जर्जर अवस्था मे पहुंच गया था, वही नवीन पंचायत भवन से ग्रामीण खुश है।

संपादकीय

दर्द की दूसरी दास्तां से गुजरते हुए

कहा जाता है- 'यदि आज हालात बेकाबू हो रहे हो, तो अपने अतीत पर नजर डाले'। मतलब, कठिन समय में लिए गए पुरखों के फैसलों के फलितार्थ आपको रास्ता सुझा देंगे। कोरोना के दूसरे दौर ने जो तबाही इस समय हमारे मुल्क में मचा रखी है, उसने हुक्मरानो के हाथ-पांव फुला दिए हैं। इसके बावजूद उन्हें इतिहास के सबकों पर नजर डालने की जरूरत नहीं महसूस हो रही, नतीजा सामने है। मंगलवार तक भारत में 1 करोड़ 53 लाख 21 हजार 89 लोग इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आ चुके थे और करीब 1 लाख 75 हजार 673 लोग अपने प्राणों से हाथ धोने पर मजबूर हो गए थे। इस विरल वक्त में हुक्मरानो को अतीत की पोथियों में दर्ज एक महागाथा से रूबरू कराना चाहता हूं। यह कथा हमारे जैसे आमजन के लिए भी जरूरी है। वह ईस्वी सन् 1918 के सितंबर की 28 तारीख थी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया सूबे के फिलाडेल्फिया शहर में पहले विश्व युद्ध के लड़ाको की आर्थिक मदद के लिए 'लिबर्टी लोन परेड' का आयोजन किया गया था। बौद्धिक लोग इस आयोजन का विरोध कर रहे थे। उनका मानना था कि, स्पेनिश फ्लू का हमला अभी बीता नहीं है ऐसे में, भीड़ भरा आयोजन आपदाओं के नए सिलसिले को दावत दे सकता है। फिलाडेल्फिया के सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक विल्मर क्रूसेन ने इस दबाव को दरकिनार करते हुए परेड की इजाजत दे दी। मामला देशभक्ति का था, लिहाजा दो लाख लोग उमड़ पड़े। अंजाम वही हुआ, जिसकी सयानों को चिंता थी। अगले कुछ दिनों में 47 हजार नए लोग संक्रमित पाए गए और इनमे से 12 हजार जिंदगी का जुआ हार बैठे। स्पेनिश फ्लू की दूसरी लहर ने 25 से 35 बरस के जवानों पर बेरहमी से कहर बरपाया था। उस दौर में अकेले अमेरिका में सिर्फ अक्तूबर महीने में 1 लाख, 95 हजार लोग मारे गए थे।

उधर जानलेवा विश्व युद्ध जारी था। किसी भी कीमत पर जीत के लिए मतवाले दुनिया के अन्य देश भी 'क्वारंटीन' जैसे अहम बचाव को नजरअंदाज कर नौजवानों को मोर्चों की ओर रवाना किए जा रहे थे। हम हिन्दुस्तानी उस समय बरतानिया सरकार की मिल्कियत थे। कहने की जरूरत नहीं कि अग्रिम मोर्चों पर हमारे नौजवानों को दोहरी लड़ाई में झोंका जा रहा था। उन्हें ब्रिटेन के दुश्मनों के साथ-साथ फ्लू से भी जूझना था। कहते हैं, उस फ्लू ने दो से पांच करोड़ लोगों की जान ली। हालात इतने खराब हो चुके थे कि ताबूत बनाने वाली कंपनियां भी हाथ खड़े कर गई थीं। जरा उस त्रासदी को आज की घटनाओं से जोड़कर देखें। बीते सितंबर में कोरोना का पंजा जरा-सा ढीला क्या पड़ा, हमारी हुकूमतें अपनी वाहवाही में जुट गईं। कोई टीके के निर्माण से खुश था, तो किसी को आर्थिक स्थिति पटरी पर लौटती नजर आ रही थी। कहीं पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा था, तो कहीं कुंभ के आयोजन पर बल था। इसी दौरान, पांच राज्यों में चुनाव भी होने थे। शीर्ष से लेकर सामान्य तक, सभी नेता लोगों को अपने पक्ष में लाने के लिए चुनावी रैलियों में जुट गए। ऐसे में, कोई सुविज्ञ यह कहने की कोशिश करता कि कृपया सावधानी बरतें, तो तत्काल उसका उपहास उड़ा दिया जाता। उन डॉक्टरों और वैज्ञानिकों की चेतावनियां भी दरकिनार कर दी गईं, जिनका गला यह बताते-बताते सूख गया था कि जनाब, अभी दूसरी लहर आपका इंतजार कर रही है। उधर, कोरोना किसी परी कथा के दानव की तरह जैसे भारत के बेटे-बेटियों के खोल से बाहर आने का इंतजार कर रहा था। इस बार वह दोगुनी ताकत से टूटा। पहले बड़े-बूढ़े इसका निशाना बन रहे थे, अब पांच दिन के नवजात से लेकर तमाम दशक जी चुके लोग समान रूप से इसकी चपेट में हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की कमर टूट चुकी है। वेंटिलेटर कम पड़ गए हैं, ऑक्सीजन व जरूरी दवाओं का टोटा है, और अस्पतालों में गंभीर मरीजों के लिए भी जगह नहीं है। इसके दारूण नतीजे सामने हैं।

कल तक हम अमेरिका, ब्राजील या इटली में दफ्नाए जाने के लिए यत्र-तत्र रखे गए शवों का दृश्य देख सिहर उठते थे। अब हमारे शहर उसी श्रेणी में जा खड़े हुए हैं। काशी के हरिश्चंद्र घाट से झकझोर देने वाली खबर आई कि वहां पिछले हफ्ते इतनी लंबी लाइन लग गई थी कि, लोगों के लिए अपने परिजनों को चिता पर चढ़ाने का इंतजार भी दुरूह लग रहा था। खुद संक्रमण की चपेट में न आ जाएं, इस डर से उन्होंने 'डोम राजा' के वंशजों से पूछा कि दाह-कर्म पर कितना खर्च आएगा। मुंहमांगे रुपए चुकाए और वहां से रुखसत हो लिए। सुदूर सूरत में एक दिन में इतने शव जलाने पड़े कि विद्युत शवदाह गृह की भट्ठियों की चिमनियां पिघल गईं। रायपुर में भी औसतन 55 शवों का अंतिम संस्कार प्रतिदिन हो रहा है। लखनऊ में धू-धू करती चिताओं की लंबी कतार सोशल मीडिया पर वायरल है। लोग दोबारा ऐसा न कर सकें, इसके लिए नगर-निगम ने श्मशान घाट के बाहर टीन की आड़ खड़ी कर दी। निगम अधिकारियों का कहना था कि, ऐसा इसलिए किया गया, ताकि शवों को जलता देख लोग 'विचलित' न हों। देश की राजधानी दिल्ली में भी अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए लोगों को पांच से आठ घंटे इंतजार करना पड़ रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत के तमाम शहरों की यही दुर्दशा-गाथा है। ऐसे में, यह सवाल उठना लाजिमी है कि चुनावों और धार्मिक आयोजनों में मस्त हमारा राजनीतिक वर्ग महामारी के 'लीन पीरियड' में क्या रहा-बचा इंतजाम नहीं कर सकता था? उसे तो मालूम था कि दूसरी लहर आने वाली है। होना यह चाहिए था कि हम अपने अस्पतालों को सुसज्जित करते और प्रयोगशालाओं की तादाद में बढ़ोतरी को बल देते। अगर सरकार के पास संसाधन नहीं थे, तो वह निजी कंपनियों को आवश्यक नियम-कायदों के साथ न्योता दे सकती थी। जब अन्य क्षेत्रों में निजीकरण को बढ़ावा दिया जा सकता है, तो इस क्षेत्र में क्यों नहीं? ऐसा नहीं हो सका। अब, जब दूसरी लहर अपने चरम की ओर बढ़ रही है, तब हमें यह भी जानने की जरूरत है कि, स्पेनिश फ्लू ने तीन बार हमला किया था। हो सकता है कि कोरोना के भी एक-दो दौर शेष हों। कहने का आशय यह है कि जो सितंबर से फरवरी के बीच में नहीं किया जा सका, उसे अब कर लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इस सिलसिले में समझदार पहल की। उन्होंने स्वामी अवधेशानंद को फोन कर कुंभ को अब प्रतीकात्मक रखने की प्रार्थना की। यह जरूरी था। उत्तराखंड में इस दौरान कोरोना के प्रसार में 90 गुणा की वृद्धि दर्ज की गई। ज्यादातर संतों ने प्रधानमंत्री का अनुरोध मान लिया है। इससे इस प्राणघाती सिलसिले को रोकने में मदद मिलेगी। इसके उलट चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मतदान कराने का निर्णय किया है। उन्मुक्त प्रचार की वजह से पश्चिम बंगाल में संक्रमण की दर 560 फीसदी तक बढ़ गई है और अभी तीन दौर के मतदान बाकी हैं। संक्रमण-प्रसार के ये आंकड़े चेताते हैं, अगर अभी निर्णायक कदम न उठाए गए, तो बंगभूमि के हालात भी बेकाबू हो सकते हैं। ऐसे में, इतिहास किन-किन को विल्मर क्रूसेन की पंक्ति में खड़ा करेगा, बताने की जरूरत नहीं।

आपदा में लाभ का नहीं, सेवा का सच्चा सौदा कीजिए

नरेन्द्र तिवारी

गुरु नानकदेव के जीवन से जुड़ा एक बेहद प्रेरणादायी किस्सा है। यह किस्सा 'सच्चा सौदा' के नाम से जाना जाता है। गुरुनानक देव के पिता ने उन्हें व्यापार सिखाने के उद्देश्य से 20 रुपए दिए और उनसे कहा कि इन रुपयों से कुछ सच्चा सौदा करके आओ। नानकदेव घर से निकले ओर अपने पिता से प्राप्त रुपयों से साधु-संतों को भोजन करा दिया। नानकदेव ने अपने पिता के द्वारा व्यापार के लिए दिए रुपयों से साधु-संतों को भोजन कराए जाने का जो सच्चा सौदा किया था, वह किस्सा अब भी मानव समाज के लिए प्रेरणादायी बना हुआ है। यह किस्सा सुनाकर हमारा मकसद घर बेचकर तीरथ करने का संदेश देना तो बिल्कुल भी नहीं है, किंतु जब मानव समाज पर आपदा के रूप में बड़ा संकट आया हुआ हो तब इस सच्चे सौदे के जिक्र से समाज को बेईमानी, लालच ओर कालाबाजारी जैसी बुरी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाने का संदेश तो दिया ही जा सकता है।

कोरोना महामारी के दौरान जो घटनाएं सामने आ रही है। वह सोचने पर मजबूर कर रहीं है कि किस तरह कुछ लोग इस आपदा के दौरान भी लाभ-हानि के गणित में मानवीय मूल्यों को कलंकित कर रहें है।

महामारी के दौरान जब अचानक देश के अस्पतालों में मरीजो की संख्या बढ़ने लगी इन मरीजो की जान बचाने के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन एवं आक्सीजन की आवश्यकता पड़ने लगी तब म.प्र. की राजधानी भोपाल के सरकारी हमीदिया अस्पताल से 853 रेमड़ेसीवीर इंजेक्शन चोरी हो गए। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में दवाइयों की दुकानों से इंजेक्शनों की कालाबाजारी के अनेको किस्से सामने आने लगे। इन इंजेक्शनों को 5 से 10 गुणा अधिक कीमत में बेचे जाने के वाकिये घटित होने लगे। नकली रेमड़ेसिविर बेचने की बात भी प्रकाश में आ रही है।

महाराष्ट्र के पूना में 4 लोगों को पुलिस ने नकली इंजेक्शन बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गुजरात के सूरत में भी पुलिस ने इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वाली एक गैंग को पकड़ा है। कालाबाजारी ओर लाभ कमाने की यह घटना पूरे देश मे अचानक बढ़ सी गई है। इसमें बड़े-बड़े अस्पताल उनके पूंजीपति संचालक, चिकित्सक एवं स्टाफ सहित अन्य कई लोग भी बेईमानीपूर्वक लाभ कमाने की प्रवृति को काबू में नहीं रख पा रहे है।

आपदा के दौरान इंजेक्शनों की कालाबाजारी ने यह तो साबित कर दिया है कि आपदा को लाभ के अवसर में बदलते की कोशिश में इन लोगों का कितना नैतिक पतन हो गया है। यह जानते हुए की इन इंजेक्शनों से पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है, इन अमानवीय चेहरों ने कालाबाजारी की घटनाओं को अंजाम दिया। इन घटनाकर्मो में शामिल लोगो मे कोई अनपढ़, अशिक्षित नहीं है। इनमें अधिकांश पढ़े-लिखे ओर सभ्य समाज के अस्पताल एवं मेडिकल स्टोर के संचालक शामिल है, डॉक्टरों के भी शामिल होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इन घटनाकर्मो से यह भी साबित होता दिख रहा है कि नागरिक स्वास्थ्य के विषयों पर हमारी राज्य सरकारें कितनी लापरवाह ओर गैर जिम्मेदार दिखाई दे रही है। कोरोना महामारी को एक साल हो गया है। इसके बढ़ने की भी पूर्ण संभावनाएं पूर्व से दिखाई दे रही थी। समय रहते इंजेक्शनो, आक्सीजन सिलेंडरों, आवश्यक दवाइयों की व्यवस्थाएं की जाना चाहिए थी। किन्तु ऐसा नहीं किया गया इसके विपरीत कालाबाजारियों को लाभ कमाने का पूरा अवसर दिया गया। जब चिल्ला-पुकार ओर शोर-शराबा बढ़ गया तब ताबड़तोड़ व्यवस्था किये जाने के प्रयास करना शुरू किए गए। यहां यह समझना भी जरूरी है कि चिकित्सा व्यवसाय पर सरकारी नियंत्रण कितना जरूरी है और वर्तमान में इस नियंत्रण के क्या हालात है?

यहां एक घटनाक्रम का जिक्र करना जरूरी जान पड़ता है। उत्तराखंड के केदारनाथ में वर्ष 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान कुछ अपराधियों का विभत्स चेहरा सामने आया था। इन अपराधियों ने आपदा में मारे गए लोगों की लाशों के हाथ, पैर, उंगलियों को आभूषणों के लिए काट दिया था। इन जघन्य अपराधियों ने लालच का पेट भरने के लिए लाशों के साथ अपराध की घटना को अंजाम दिया था। क्या आपको नहीं लगता कि महामारी के दौरान मानव स्वास्थ्य के लिए जरूरी इंजेक्शनों की कालाबाजारी ओर नकली इंजेक्शन बेचने की घटनाएं केदारनाथ विभीषिका से भी जघन्यतम ओर अक्षम्य अपराध की श्रेणी में रखी जानी चाहिए। राज्य एव केंद्र सरकार को नागरिक स्वास्थ्य से जुड़े संसाधनों की कालाबाजारी को कठोरता से रोकना चाहिए। सरकार के साथ-साथ इस व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों को भी सेवा और संयम का परिचय देने की आवश्यकता है। बेशक अधिकांश संस्थाएं अपने मानवीय दायित्वों को बखूबी अंजाम भी दे रही है। महामारी के दौरान चिकित्सा के श्रेत्र में लगे फ्रंट लाइन वर्करों ने अपनी जान पर खेलकर अनेको पीड़ितों की जान बचाई है। उच्च सेवाभाव का यह प्रदर्शन जारी है। महामारी पर नियंत्रण सेवा के उच्च मापदंडों से ही पाया जा सकता है। महामारी के दौर में कालाबाजारी ओर बेतहाशा लाभ कमाने की घटनाएं भी हमारे समाज मे ही घटित हो रही है। लालच का कभी अंत नही होता आज हमारे समाज को बाबा नानक की तरह सच्चा सौदा करने की आवश्यकता है। संकट के समय लाभ की नही सेवा के सच्चे सौदे से ही इस महामारी को परास्त किया जा सकता है। यह सच्चा सौदा मानवता के हित मे भी है।

भारत का सिकुड़ता मध्यम वर्ग

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

कोरोना की महामारी के दूसरे हमले का असर इंतना तेज है कि लाखों मजदूर अपने गांवों की तरफ दुबारा भागने को मजबूर हो रहे हैं। खाने-पीने के सामान और दवा-विक्रेताओं के अलावा सभी व्यापारी भी परेशान हैं, उनके काम-धंधे चौपट हो रहे हैं। इस दौर में नेता और डॉक्टर लोग ही जरा ज्यादा व्यस्त दिखाई पड़ते हैं, बाकी सभी क्षेत्रों में सुस्ती का माहौल बना हुआ है। पिछले साल करीब दस करोड़ लोग बेरोजगार हुए थे। उस समय सरकार ने गरीबों का खाना-पीना चलता रहे, उस लायक मदद जरुर की थी लेकिन यूरोपीय सरकारों की तरह उसने आम आदमी की आमदनी का 80 प्रतिशत भार खुद पर नहीं उठाया था। अब विश्व बैंक के आंकड़ों के आधार पर 'प्यू रिसर्च सेंटर' का कहना है कि, महामारी के कारण भारत की अर्थ-व्यवस्था में इतनी गिरावट हो गई है कि भारत के गरीबों की बात जाने दें, जिसे हम मध्यम वर्ग कहते हैं, उसकी संख्या लगभग 10 करोड़ से घटकर करीब 7 करोड़ रह गई है। तीन करोड़ तीस लाख लोग मध्यम वर्ग से फिसलकर निम्न वर्ग में चले गए हैं। मध्यम वर्ग के परिवारों का दैनिक खर्च 750 रुपए से 3750 रु. तक का होता है। यह आंकड़ा ही अपने आप में काफी दुखी करनेवाला है। यदि भारत का मध्यम वर्ग 10 करोड़ का है तो गरीब वर्ग कितने करोड़ का है? यदि यह मान लें कि, उच्च मध्यम वर्ग और उच्च आय वर्ग में 5 करोड़ लोग हैं या 10 करोड़ भी हैं तो नतीजा क्या निकलता है? क्या यह नहीं कि भारत के 100 करोड़ से भी ज्यादा लोग गरीब वर्ग में आ गए हैं? भारत में आयकर भरनेवाले कितने लोग हैं? पांच-छह करोड़ भी नहीं याने सवा सौ करोड़ लोगों के पास भोजन, वस्त्र, निवास, शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन के न्यूनतम साधन भी नहीं हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आजादी के बाद भारत ने कोई उन्नति नहीं की। उन्नति तो उसने की है लेकिन उसकी गति बहुत धीमी रही है और उसका फायदा बहुत कम लोगों तक सीमित रहा है। चीन भारत से काफी पीछे था लेकिन उसकी अर्थव्यवस्था आज भारत से पांच गुना बड़ी है। कोरोना फैलाने के लिए वह सारी दुनिया में बदनाम हुआ है लेकिन उसकी आर्थिक प्रगति इस दौरान भी भारत से कहीं ज्यादा है। अन्य महाशक्तियों के मुकाबले कोरोना का काबू करने में वह ज्यादा सफल हुआ है। भारत का दुर्भाग्य है कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलवाने के बावजूद दिमागी तौर पर वह आज भी अंग्रेजों का गुलाम बना हुआ है। उसकी भाषा, उसकी शिक्षा, उसकी चिकित्सा, उसका कानून, उसकी जीवन-पद्धति और उसकी शासन-प्रणाली में भी उसका नकलचीपना आज तक जीवित है। मौलिकता के अभाव में भारत न तो कोरोना की महामारी से जमकर लड़ पा रहा है और न ही वह संपन्न महाशक्ति बन पा रहा है।

एक सलाह

हौसला दिया मुझे एक छोटे से वाहन ने, पीछे लिखा था बड़ा होकर ट्रक बनूंगा। इसलिए आप भी जो आज हो उससे बड़ा बनने की सोचो।

काम की बात

गिरते हुए पत्ते सबसे बड़ा उदाहरण है कि बोझ बन जाओगे तो अपने भी गिरा देंगे।

कुंभ के मेले में लापरवाही से फैलता कोरोना

श्रीगोपाल नारसन

कुम्भ में कोरोना की जांच न कराने, मास्क न पहनने और आपस मे दूरी बनाए रखने के नियमों को मानने से साफ मना करने वाले धर्म गुरुओं और साधु-संतों की भारी भीड़ में से अब तक 20 कोरोना संक्रमित हो चुके हैं और 100 से ज्यादा श्रद्धालु भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। जबकि एक दिन पहले भी कुंभ क्षेत्र से 401 कोरोना पोजेटिव पाए गए है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि को तबीयत बिगड़ने के बाद एम्स में भर्ती कराया गया है। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उनको अखाड़े में ही आइसोलेट किया गया था। साथ ही पिछले पांच दिनों में निरंजनी अखाड़े के दस संत भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने उक्त रिपोर्ट के बाद हरकत में आकर अखाड़े के कई संतों के कोरोना जांच हेतु सैंपल भी लिए हैं।अपनी कुंभ यात्रा के दौरान संतो के संपर्क में आए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने द्वारा लखनऊ में कराई गई कोविड जांच भी पोजेटिव आई है। उत्तर प्रदेश के ही मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी जांच में कोरोना पोजेटिव पाए गए है। कुंभ व्यवस्था के काम में लगे अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि, अधिक संख्या में लोगों के इकट्ठा होने से उन्हें कोरोना के कारण लगाई पाबंदियों का पालन करने में अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

धार्मिक मान्यता भले ही यह हो कि, कुंभ के दौरान गंगा में स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। लेकिन फिलहाल तो सावधानी न बरतें जाने के कारण मां गंगा के तट से मोक्ष के बजाए कोरोना मिलने का सिलसिला जारी है। कुंभ में बीते कुछ दिनों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। सात अप्रैल से देश में लगातार कोरोना संक्रमण के एक लाख से अधिक मामले प्रतिदिन दर्ज किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विशेषज्ञों ने कुंभ को कोरोना की दृष्टि से घातक बताया था, लेकिन सरकार ने यह कहते हुए कुंभ के आयोजन की अनुमति दी थी कि, कोरोना के मद्देनजर जारी किए गए सभी दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा। परन्तु कोरोना से बचाव के सारे दिशा निर्देश धराशायी होकर रह गए।

गंगा के घाटों पर सोशल डिस्टेन्सिंग के नियमों को लागू कर पाना पूरी तरह असंभव सिद्ध हुआ। कुंभ के आईजी पुलिस संजय गुंजयाल भी मात्र दावे ही करते रहे कि, वे लोगों से लगातार कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए नियमों का पालन करने की अपील कर रहे हैं। लेकिन यहां काफी भीड़ है और चालान करना असंभव है। यानि भीड़ के सामने कानून और व्यवस्था दोनों बोने साबित हो गए। अलबत्ता स्थानीय लोगों पर अपने ही जिले में आने-जाने से बंदिशे लगाकर पुलिस अपनी पीठ थपथपाती रही। अगर पुलिस जबरन लोगों को घाटों पर सोशल डिस्टेन्सिंग के नियमों का पालन करने के लिए कहती हैं तो कुंभ में 'भगदड़ जैसी स्थिति पैदा' हो सकती है। यह तर्क है कुंभ व्यवस्था में लगे एक बड़े अधिकारी का। जिससे स्पष्ट है कि पुलिस कुंभ क्षेत्र में तो व्यवस्था बनाने व कोरोना

गाइड लाइन का पालन करवाने में फेल रही। रूट डाइवर्ट कर लोगों को न सिर्फ मीलों तक ज्यादा दौड़ाया बल्कि हरकी पौड़ी से कई कई किमी पहले बने घाटों पर श्रद्धालुओं को स्नान के लिए विवश कर उनकी भावनाओं को भी आहत किया है। कुंभ शुरू होने से पहले सरकार ने दावा किया था कि कुंभ में उन्हीं लोगों को आने की अनुमति दी जाएगी जिनकी कोविड-19 रिपोर्ट नेगेटिव होगी और मेले में शिरकत करने वालों को कोरोना के कारण लागू किए गए सभी दिशानिर्देशों का पालन करना पड़ेगा। ऐसे में कुंभ में आए कई जानेमाने साधु-संतों समेत बड़ी संख्या में लोग कैसे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, यह सवाल बदहाल व्यवस्था की ओर इशारा कर रहा है। दो शाही गंगास्नान के बाद चिंता जताई जा रही है कि, कोरोना संक्रमण श्रद्धालुओं के बीच तेजी से फैल सकता है और यह भी संभव है कि यह कोरोना वायरस कुंभ से लौटने वाले श्रद्धालुओं के साथ उनके गांवों और शहरों तक पहुंच जाए। यदि ऐसा हुआ तो हालात बदतर हो जायेगे। जिसके लिए व्यवस्था में कमी के चलते सरकार जिम्मेदार होगी। कोरोना के चलते कुंभ मेले को लेकर सरकार की काफी आलोचना भी हो रही है। इसी बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने एक बार फिर अजीबो गरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कुंभ की तुलना दिल्ली के मरकज से नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि, गंगा मां के आशीर्वाद से यहां कोरोना नहीं फैलेगा।लेकिन कोरोना फिर भी फैल गया। बेचारी मां गंगा भी क्या करे जब कुंभ स्नान करने वाले ही लापरवाह हो गए। कोरोना से बचाव के लिए कोई सावधानी बरतने के बजाए मां गंगा के भरोसे स्वयं को कोरोना से सुरक्षित समझते रहे।परिणाम आप सबके सामने है। हरिद्वार कुंभ मेले में कोरोना गाइडलाइन्स के उल्लंघन के लिए हो रही कड़ी आलोचनाओं के बीच एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। हरिद्वार में 13 अप्रैल को 594 कोरोना संक्रमित मामले सामने आए है। जबकि 12 अप्रैल को 408 कोरोना के केस सामने आए थे। यानि मात्र दो दिनों में लगभग 1000 कोरोना के केस सामने आ चुके हैं। अकेले हरिद्वार में सक्रिए कोरोना मामलों की संख्या 2812 है। इस समय लाखों लोग कुंभ मेले के दूसरे शाही स्नान के लिए एकत्र हुए। मेला प्रशासन का स्वयं का दावा है कि, 20 से 35 लाख संख्या के बीच लोगों ने शाही स्नान किया। ऐसे में जिसमें स्थान पर कोरोना वायरस जैसा संक्रमण फैला हो वहाँ इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना अपने आपमें सबसे बड़ा खतरा कोरोना को लेकर है। कुंभ मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आए हुए है। वह भी तब जब देश में लगभग 13 लाख एक्टिव कोरोना पॉजिटिव केस हैं व प्रतिदिन लगभग 800-900 लोगों की मौत हो रही है। पूरे उत्तराखंड में 24 घंटे में 1925 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं और 13 लोगों की मौत हो चुकी है।

कोरोना के इस खतरे के बीच ही उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश से लोग हरिद्वार में हो रहे कुंभ मेले में शामिल हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 11 अप्रैल की रात 11.30 बजे से 12 अप्रैल शाम 5 बजे तक मेले में आए 18,169 लोगों का कोरोना टेस्ट किया तो उनमे से 102 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जिससे साफ है कि कुंभ में कोरोना पोजेटिव लोगों की घुसपैठ हो चुकी है और बॉर्डर पर हुई जांच पर सवाल भी उठने लगे है। कुंभ क्षेत्र ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट में 13 अप्रैल को नागा संन्यासियों का सामूहिक स्नान था। इस शाही स्नान के बाद आकर्षण का केंद्र रहे एक रुद्राक्ष पगड़ी धारी बाबा की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कई बड़े अधिकारी इन संतों के साथ गंगाजल से संकल्प लेने के दौरान फोटो खिचवाते नजर आए थे।

षड्दर्शन साधु समाज अखिल भारतीय धर्म रक्षा समिति के आह्वान पर 13 अप्रैल को बैसाखी पर्व का कुंभ स्नान आयोजित किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में नागा संन्यासियों ने गंगा में सामूहिक रूप से डुबकी लगाई। स्नान पूर्ण हो जाने के बाद जब कुंभ मेला पुलिस ने यहां कुछ संन्यासियों की एंटीजन जांच कराई तो एक नागा संन्यासी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। यह वहीं संत थे जो सिर पर रुद्राक्ष की पगड़ी धारण किए सभी का आकर्षण बटोर रहे थे। हर कोई श्रद्धालु इस संत के साथ सेल्फी लेने को बेताब था। स्नान समाप्त हो जाने के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी संतों के साथ फोटो खिचवाते नजर आए। स्नान के दौरान पुलिस और प्रशासन के बड़े अफसरों की मौजूदगी में कोरोना गाइडलाइन का पालन दूर-दूर तक नजर नहीं आया।

जेल में केदियों से मुलाकात प्रतिबंधित

माही की गूंज, मंदसौर। जेल अधीक्षक जिला जेल मन्दसौर द्वारा बताया गया कि, जिला प्रशासन द्वारा 16 अप्रेल सांयकाल से 26 अप्रेल की प्रातः 10 बजे तक की अवधि में मंदसौर जिले में कोरोना कर्फ्यू घोषित किया गया है। ऐसी स्थिति में इस अवधि में केदियों की सामान्य मुलाकात प्रतिबंधित रहेगी। केदियो से संपर्क करने हेतू पूर्व से निर्धारित दुरभाष एंव ई. मुलाकात सुविधा निर्धारित समयावधि में प्रत्येक कार्यालय दिवस में चालु रहेंगें। सामान्य मुलाकात केवल उन्हीं व्यक्तियो की कराई जा सकेगी जो समक्ष अधिकारी (संबंधित एस.डी.एम. या तहसीलदार) से इस हेतू लिखित विशेष अनुमति इस कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

घरेलू हिंसा करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

माही की गूंज, राजगढ़ ब्यावरा। 17-18 अप्रैल की रात में ग्राम ढावली कला में आरोपी द्वारा अपनी पत्नी को शराब के लिए पैसे ना देने पर मिट्टी का तेल डालकर जान से मारने की नियत से आग लगा दी। वहीं मौके पर मौजूद पड़ोसियों व घर के दूसरे सदस्यों द्वारा महिला को जलने से बचाया गया। परंतु फिर भी पीड़िता महिला 50 प्रतिशत तक जल गई थी। जिसको इलाज हेतु शासकीय अस्पताल खिलचीपुर ले जाया गया। महिला की रिपोर्ट पर आरोपी पति के विरुद्ध अपराध धारा 307 भा.द.वि. का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। आरोपी की तलाश हेतु पुलिस ने अपने मुखबिरों व सूचना तंत्र सक्रिय किया और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कोरोना पॉजिटिव के दाह संस्कार में उपयोग किए गए किट्स मुक्तिधाम में फैंक दिए

मुक्तिधाम सेवा समिति के सदस्यों ने कार्रवाई की मांग

माही की गूंज, भानपुरा।

कोरोना संक्रमण का लगातार खतरा बढ़ता जा रहा है इसे देखते हुए जहां सरकार ने लाकडाउन बढ़ाया है, वंहीं शासन-प्रशासन आम आदमी के जीवन को बचाने हेतु दिन-रात जुटा हुआ है। परंतु नगर परिषद के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते मुक्तिधाम में कोरोना पॉजिटिव के दाह संस्कार के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए किटस, हाथ ग्लब्स, बैग एवं अन्य सभी तरह के सामान मुक्तिधाम परिसर में ही फेंक दिए। जबकि उन्हें पूरी तरह से जलाकर नष्ट किया जाने का प्रावधान है।

इस मामले में जब तहसीलदार राकेश यादव भानपुरा से बात की गई तो उन्होंने इस लापरवाही को गंभीर मसला बताते हुए नायब तहसीलदार रामकिशन अहिरवार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर दी, जो मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट देगी।

उल्लेखनीय है कि, नगर के एक वृद्ध का स्वर्गवास झालावाड शासकीय चिकित्सालय में कोरोना संक्रमण के चलते हो गया एवं उनका दाह संस्कार 15 अप्रैल को छोटे महादेव मार्ग स्थित मुक्तिधाम में किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर परिषद के कर्मचारियों को कोरोना किट, हेड ग्लब्स एवं अन्य समस्त आवश्यक सामग्री दाह संस्कार कोरोना की गाईडलाईन से किए जाने के लिए उपलब्ध कराए गए। मृतक का दाह संस्कार करने के बाद संबंधित कर्मचारियों ने लापरवाही पूर्वक उपरोक्त सभी सावधानी वाले साधनों को संक्रमण के खतरे को नजरअंदाज कर मुक्तिधाम परिसर में ही फेंक दिया गया। मुक्तिधाम विकास समिति के सेवाभावी सदस्य मनोज मंगरोलिया, अरविंद शर्मा, जय प्रकाश रुद्रवाल, अर्जुन चंद्रेसिया जो प्रति शनिवार-रविवार को वहां पर साफ-सफाई करते हैं तथा मुक्ति धाम विकास समिति के माध्यम से जब भी किसी मृतक का दाह संस्कार होता है तो वहां लकड़ी उपलब्ध करवाई जाती है। जब यह चारों सदस्य रविवार 18 अप्रैल को मुक्तिधाम परिसर में साफ सफाई के लिए गए तो वहां पर कोरोना पॉजिटिव के दाह संस्कार में उपयोग किए जाने वाली सामग्री यहां वहां फैली हुई थी। जिसे देखकर उन्होंने पत्रकारों को सूचना दी, इस पर तहसीलदार भानपुरा से चर्चा की जाने के बाद उन्होंने इसे गंभीर मामला बताया एवं नायब तहसीलदार रामकिशन अहिरवार एवं कस्बा पटवारी कपिल गौड़ एवं अन्य सदस्यों की टीम गठित कर दी जो तहसीलदार भानपुरा राकेश यादव को अपनी जांच रिपोर्ट प्रदान करेगी।

इस मामले में ब्लॉक मेडिकल अधिकारी बीएल सिसोदिया, नगर परिषद सीएमओ गोविंद पोरवाल, साफ सफाई दरोगा भानपुरा शंभुदयाल तिवारी से बात करना चाहिए पर उनसे मोबाइल पर संपर्क नहीं हो पाया। यहां यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि रविवार को ही एक 85 वर्षीय बुजुर्ग कंवरलाल मंडकरिया की वृद्धावस्था में प्राकृतिक रूप से मौत हो गई एवं उनके दाह संस्कार में भी लोगों ने भाग लिया। ऐसी स्थिति में कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। नगर के अनेक जागरूक नगर वासियों ने मांग की है कि इस तरह की गंभीर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अवैध मादक पदार्थों का विक्रय करने वालों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई

माही की गूंज, राजगढ़ ब्यावरा।

जिला पुलिस कप्तान द्वारा अवैध मादक पदार्थ बेचने व परिवहन करने वालो के विरुद्ध जिला राजगढ मे अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनकामना प्रसाद एवं एसडीओपी ब्यावरा श्रीमती किरण अहिरवार के मार्गदर्शन मे अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना देहात ब्यावरा थाना प्रभारी उप. निरी. आदित्य सोनी द्वारा अवैध मादक पदार्थ बेचने बाले व्यक्तियो के विरुद्ध कार्यवाही की गई है।

18 अप्रेल को मुखबिर की सूचना पर, पचोर तरफसे एक अल्टो गाडी क्र. एमपी 09 सीए 6278 जिसके आगे काँच पर अंग्रेजी में महाँकाल लिखा है जिसमें 3 लोग अवैध रुप से गाँजा लेकर ब्यावरा तरफआ रही कार को चेकिंग हेतु रोकने का प्रयास किया तो कार का चालक, क्लीनर तरफबैठा व्यक्ति तथा पीछे बैठा व्यक्ति ऊतर कर भागने का प्रयास करने लगे जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकडा। पुछताछ पर ड्रायवर ने अपना नाम दयाराम हरिजन (43) नि. गुन्दडलिया तह.तराना जिला उज्जैन, क्लीनर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम लाखन सिंह राजपूत (32) नि. जावदी थाना मोहन बडोदिया जिला शाजापूर तथा पीछे की सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम जोजन राजपूत (43) नि. गुन्दडलिया तह. तराना जिला उज्जैन का होना बताया। पुलिस ने कार से कुल 10 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमत 1 लाख 50 हजार रूपए तथा कार कीमती करीब 4 लाख रुपए कुल मशरुका 5 लाख 50 हजार को मौके पर जप्त कर तीनो आरोपीगणों को गिरफ्तार किया। आरोपियो के विरुद्ध अपराध क्र. 148/21 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

उक्त सराहनीय कार्य मे थाना प्रभारी उप. निरी. आदित्य सोनी थाना प्रभारी देहात ब्यावरा, सउनि अरुण जाट, प्र.आर. 505 आशीष, प्र.आर. 135 जुगलकिशोर, आर. 338 संतोष, आर. 160 हेमंत, आर. 791 परमेश्वरदास, आर. 815 प्रीतम, आर. 336 चेतन, आर. 397 अमित की महत्तवपूर्ण भूमिका रही।

कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने के लिए गस्त बढ़ाए- मंत्री परमार

माही की गूंज, शुजालपुर।

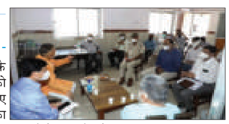

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए लगाए गए कोरोना कर्फ्यू का शुजालपुर क्षेत्र में पालन कराने के लिए प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदरसिंह परमार ने अधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर कलेक्टर दिनेश जैन, अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर प्रकाश कस्बे, कैलाश सोनी, सीएमएचओ डॉ. आर. निदारिया, एसडीओपी व्ही.एस. द्विवेदी, डॉ. राजेश तिवारी, तहसीलदार शुजालपुर राकेश खजुरिया, कालापीपल, रमेश सिसोदिया, जनपद पंचायत सीईओ शुजालपुर, नितिन भट्ट, सीएमओ शुजालपुर श्रीमती निगहत सुलताना, अकोदिया श्री आर.एस. भिलाला, नायब तहसीलदार शत्रुघ्न चतुर्वेदी, आकाश शर्मा, अजय अहिरवार भी उपस्थित थे। राज्यमंत्री श्री परमार ने कहा कि, कोरोना कर्फ्यू के दौरान लोग अनावश्यक रूप से घूम रहे है और व्यवसायी भी बिना मास्क लगाकर व्यवसाय कर रहे है। इसे देखते हुए पुलिस की पेट्रोलिंग (गस्त) बढ़ाना आवश्यक है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि, सतत् गस्त करते हुए दुकानदारो से कोरोना गाईड लाईन का पालन कराए। जो ग्राम अभी भी कोरोना संक्रमण से मुक्त है, वहां के ग्रामीणों को संक्रमण से बचाने के लिए जागरूक करें। ग्रामीणों को समझाए कि, कोरोना संक्रमण के दौरान कोई भी बाहर नहीं जाए, कोरोना गाईडलाईन का पालन करें, मॉस्क लगाकर ही बाहर निकले और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में नहीं जाए। साथ ही ग्रामो में एनाउन्स कराए कि, शादी समारोह में अधिक भीड़ दिखने पर कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में शुजालपुर के 61 ग्राम पंचायते ऐसी है जहां कोरोना का संक्रमण नहीं है।

साइबर ठगों के गिरोह का सदस्य पुलिस गिरफ्त मे

माही की गूंज, राजगढ़ ब्यावरा।

वर्तमान परिदृश्य में बढ़ती तकनीक के चलते ऑनलाइन ठगी के मामलों में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। एसपी ने 8 सदस्यों की टीम गठित कर लोगों से ठगी करने वाले के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी के निर्देश के बाद गठित पुलिय टीम ने कबूला उत्तर प्रदेश सहित दिल्ली और आस पास के कुछ शहरों से आनलाईन (साइबर) ठगी को अंजाम देने के मामले सामने आ रहे थे। साइबर ठगों के गिरोह के सदस्य लोगों को अपनी बातों के जाल में फसा कर नित नए तरीकों का इस्तेमाल कर उनके बैंक खातों से राशि का आहरण करा लेते हैं। लालच में आकर कुछ लोग पैसों को डबल या कई गूना करने की मीठी बातों में लोगों को उलझा कर उनसे गलत तरीके से पैसे एंठ रहे हैं।

ऐसे ही एक मामले में पुलिस टीम उत्तर प्रदेश सहित दिल्ली एवं आसपास के शहरों की ओर रवाना हुई। करीब 20 दिनों की मेहनत के बाद ब्यावरा शहर की पुलिस टीम को साइबर ठगों के गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है।

साइबर ठगी के मामले में फरियादी पूर्व सीएमएओ ओर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एसएस गुप्ता ने थाना ब्यावरा शहर में रिर्पोट दर्ज की थी कि, उनके साथ लाखों रुपए की ठगी हुई है। रिर्पोट के बाद मामला साइबर ठगी का पाया जाने पर थाना ब्यावरा शहर में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 186/2021 धारा 420, 409 भादवि के तहत पंजीबद्ध किया। गठित टीम नें मामले की विवेचना करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दिल्ली एवं आसपास के शहरों की ओर भेजा गया। टीम ने सौरभ गुप्ता (27) 1102 रिवर हाईटस राजनगर एक्सटेंशन गाजियाबाद उत्तर प्रदेश हाल मुकाम 17/401 कल्याणपुरी 91 दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है।

सायबर ठगों द्वारा फरियादी श्याम सुंदर गुप्ता को वर्ष 2020 में अपने आप को बैंक अधिकारी बताकर एफडी लेप्स होने के बारे में एक फोन कॉल किया गया था, जिसमें उन्हें पैसों का नुकसान होने के बारे में बताया जाकर धोखाधड़ी के जरिए इनके खातों में लाखों रुपए की राशि ट्रांसफर कर ली गई थी। आरोपी से पूछताछ में उसने कई खुलासे किए है आरोपी के बताए अनुसार साइबर ठगों की इस गिरोह में 6 से 7 लोगों के होने की संभावना है।

धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

माही की गूंज, झाबुआ। सोमवार को जिले में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को लेकर उसकी रोकथाम तथा बचाव के लिए जन सामान्य के स्वास्थ्य की सुरक्षा व लोक शांति बनाए रखने के लिए जिले में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जिसकी कंडिका-8 में जिले में शादी समारोह में अधिकतम 50 व्यक्ति बंद हॉल में तथा खुले में 100 व्यक्ति व शव यात्रा में अधिकतम 25 व्यक्तियों के शामिल होने की अनुमति रहेगी। कंडिका-8 में जिले में शादी समारोह में अधिकतम 10 व्यक्तियों 5 वर पक्ष 5 वधू पक्ष के शामिल होने की अनुमति रहेगी। इस आदेश का उल्लघंन पाए जाने पर भारतीय दंड सहिता 1860 की धारा 188, 269, 270 व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा-51, 60 व अन्य वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगा।

गरीब, मजदूर और असहाय के लिए राशन की व्यवस्था करे प्रशासन

माही की गूंज, शाजापुर।

आम आदमी पार्टी की और से जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिसनोरिया ने मीडिया को दिए बयान में प्रशासन से मांग की है कि, शहर के गरीब, मजदूर और असहाय लोगों के लिए राशन का इंतजाम करे, साथ ही शहरवासियों से अपील की है कि, सभी लॉकडाउन का पालन करें। क्योंकि जो नागरिक लॉकडाउन का पालन नहीं कर रहे है और बहार जा रहे है, वही संक्रमित हो रहे है और उनके द्वारा ही परेशानीया बड़ाई जा रही है। दूसरा स्वास्थ्य विभाग के सरकारी अस्पतालों में अन्य बड़ी बीमारियों जैसे केंसर, दमा, दिल की बीमारी, डायबिटीज आदि का इलाज ठीक से नहीं मिल रहा है। जिले के सबसे बड़े अस्पतालो में इलाज की सुविधा नही रहेगी तो फिर कहा रहेगी यह विभाग के लिये शर्मिंदा करने वाली बात है। वर्तमान में मौसम परिवर्तन और लू की वहज से भी लोग बीमार हो रहे है। अस्पताल में उन्हें इंजेक्शन ओर बॉटल तक नही लगाई जा रही है। डिलीवरी के लिए जो गरीब व मजदूर वर्ग की महिलाए सरकारी अस्पताल में आती हैं, उन्हें प्राइवेट अस्पतालों में महंगी डिजिटल सोनोग्राफी करवानी पड रही है, साथ ही दूध, मावा, घी, जैसी चीजों में शुद्धता ओर मैडिकल दवाइयों की बड़ी कीमतों पर रोक लगाने की मांग की।

जिले में 5 हजार को पार कर गया कोरोना का आंकड़ा

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में कोरोना संक्रमण का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार रात आई रिपोर्ट के आंकड़ों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 5 हजार का आंकड़ा पार कर गया है। मंगलवार रात आई रिपोर्ट में 137 मामले पॉजिटिव पाए गए। हालांकि यह आंकड़ा पिछले दिनों के मुकाबले काफी कम है, इसलिए इसे राहत भी माना जा सकता है। बीते रविवार व सोमवार को नए संक्रमितों का आंकड़ा 200 के पार पहुंच गया था। फिलहाल मंगलवार के 137 मामलों के साथ जिले में यह आंकड़ा 5058 तक पहुंच चुका है। हालांकि सुखद पहलु यह है कि 5058 में से 4069 मरीज स्वस्थ्य होकर अपने घर लौट चुके है। मार्च 2020 से अब तक जिले में सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 34 मरीजों की मौतें हो चुकी है। अभी जिले में संक्रमित मरीजों की संख्या 955 है।

अपनी सर्तकता व सरकारी गाइड लाइन के पालन से ही हारेगा कोरोना

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

पिछले वर्ष लॉकडाउन के बाद देश ने दूसरे देशों की तुलना में अपने आपको संभाल लिया था। इस बार कोरोना संक्रमण की गति फिर से तेज हो गई है। अब पिछले वर्ष 6 माह में जितने मरीज मिले, उतने इस बार तीन माह में ही हो गए हैं। कोरोना की दूसरी लहर का कोफ दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है और पिछले वर्ष की तुलना में कई ज्यादा भयावह भी है। कोरोना की दूसरी लहर भयावह डरा देने वाली है, हर जगह मौत का मातम सा नजर आ रहा है।

कोरोना का बढ़ता प्रकोप कई घरों की खुशियों को छीन रहा है। पिछले वर्ष की तरह ही इस बार भी लॉकडाउन, नाइट कर्फ्यू की स्थिति बढ़ती जा रही है। इस बार कोरोना का प्रभाव पिछले वर्ष की तुलना में कई ज्यादा डेंजर रूप में पैर पसारे फेला हुआ है। हम सोचे की वेक्सिंग लगवा ली तो हम सैफ हो गए, हमें कोरोना नहीं होगा तो यह मूर्खतापूर्ण बात होगी। कोरोना संक्रमण पहले शहरों तक ही सीमित हो पाया था, पर आज गावों में भी यह पैर पसार चुका है। गावों में इसका गंभीर असर देखा जा रहा है। जहा गावों को भी पूरी सख्ती के साथ बन्द किया जा रहा है। ईधर प्राथना तो उधर प्राण निकल रहे हैं ऐसे कई दृश्य देखे जा रहे हैं।

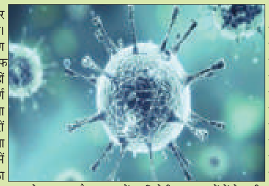

कोरोना की दूसरी लहर अब बॉलीवुड हो या नेता नगरी सभी को चपेट में लेता जा रहा है, तथा यह रक्त बीज की तरह मुंह फैलाए बैठा है, सभी को काल का ग्रास बना रहा है। इस स्थिति को कंट्रोल न किया गया तो और ज्यादा भयावह स्थिति देखने को मिलेगी। अस्पतालों में बेड की कमी देखी जा रही है, यह मरीजों की संख्या के सामने कम पड़ गए, डाक्टर अब थक से गए है। सर्तकता का नजारा कही देखा जाए तो शासकीय सुविधाओं की लाचार हालात से भी लोगो में भय पैदा हो रहा है।

कोरोना का रुख भी बदल गया है पिछले वर्ष की तुलना में सर्दी-खासी, बुखार के अलावा शरीर में दर्द आदि कई लक्षण वाले मरीज भी कोराना पॉजिटिव हो सकते है। संक्रमण लगातार बढ़ते जा रहे हैं, इसका मुख्य कारण लापरवाही और मौसम है। बीमार होने के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्रो में एक्टिव रहते है यह सभी कोरोना फैलाने में सहायक बना हुआ है। पहले लोग सचेत थे, सर्दी-जुखाम जरा सा कुछ होने पर डाक्टर को तुरन्त दिखा देते थे, सावधानी बरतते थे। लेकिन अब लोग बीमारी को छिपा रहे है, इसलिए स्थिति घातक बन चुकी है। इस समय घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको ढालकर संभलने की जरूरत है। कोरोना की लहर को पहले भी हराया है और आगे भी हराएगे।

जनता के सहयोग से लड़ेंगे कोरोना की लड़ाई - कलेक्टर पुष्प

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास लगातार जारी है। म.प्र. जन अभियान परिषद व नगर विकास प्रस्सफुटन समिति के द्वारा मैं हूँ कोरोना वालिंटियर अभियान के तहत कलेक्टर मनोज पुष्प की उपस्थिति में स्थानीय संजीत रोड़, महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा स्थल के आसपास दुकान संचालकों को जागरूक करने हेतु जनसहयोग से 100 फ्लेक्स लगवाए व 500 मास्क वितरित किए। साथ ही आम जनता व व्यापारियों को समझाईश भी दी गई।

इस अवसर पर कलेक्टर मनोज पुष्प ने संबोधित करते हुए कहा कि, हमें कोरोना की लड़ाई जनता के सहयोग से लड़नी हैं। जनता से आग्रह हैं मास्क जरूर पहनें। मास्क कफन से छोटा होता हैं आक्सीजन लगाना हैं या मास्क लगाना यह आपको सोचना हैं। कलेक्टर ने कहा कि, बिना मास्क घूमने वाला अपराधी हैं, संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए दूरी बनानी पड़ेगी। अंत में कहा पहला सुख निरोगी काया। इस अवसर पर जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी, अध्यक्ष विनोद मेहता, सचिव प्रकाश सिसोदिया, समाजसेवी मुकेश काला, सदस्य कपिल भंडारी, नवीन सगरावत, रोमेश शर्मा, सुनीता देशमुख, अर्चना गुप्ता, सुभाष गुप्ता, सुनीता देशमुख, नीतू माथुर, प्रीती रोकले, दयाराम चौहान सहित सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रकाश सिसोदिया द्वारा किया गया।

न्यूज ब्रीफ

लोअर गोई के कार्यपालन यंत्री को मिला शोकाज नोटिस

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने लोअर गोई के कार्यपालन यंत्री जगदीश तोमर की ड्यूटी कोरोना महामारी के मद्देनजर पीथमपुर से ऑक्सीजन गैस सिलेंडर भरवाने के कार्य में लगाई थी। लेकिन जगदीश द्वारा उक्त आदेश का पालन नहीं किया और उक्त कार्य शासकीय कार्य में गंभीर लापरवाही व दायित्वों के प्रति उदासीनता का घोतक है। जगदीश द्वारा अपने दायित्वों में लापरवाही के कारण कलेक्टर वर्मा द्वारा कारण बताओं सूचना पत्र जारी कर 24 घंटे के अंदर उपस्थित होकर अपना उत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। उपस्थित होकर जवाब नहीं देने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की सेवाएं तत्काल प्रभाव से सौंपी कलेक्टर को

माही की गूंज, खरगोन। कोविड-19 संक्रमण की स्थिति को देखते हुए जिलों में कार्यरत सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की सेवाएं तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति के अधीन कार्य करने के लिए सौंपी गई है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग की मिशन संचालक छवि भारद्वाज ने प्रदेश के सभी सीएमएचओ को पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि, कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की शैक्षणिक योग्यता जीएनएम, बीएससी नर्सिंग तथा बीएएमएस है। सीएमएचओ जिले के विभिन्न चिकित्सालयों में आवश्यकता के अनुसार सेवाएं देने के लिए कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के ड्यूटी आदेश जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि, अधिकांश कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स माह मार्च से कोविड टीकाकरण कार्य में संलग्न रहे है। इसलिए कोविड-19 कार्य के लिए आदेशित सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को मार्च से पूर्ण कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि भुगतान किए जाने की स्वीकृति दी जाती है।

टीकाकरण में सहयोग के लिए आगे आई स्व सहायता समुह की महिलाएं

माही की गूंज, खरगोन। कोरोना संक्रमण के बीच टीकाकरण भी लगातार किया जा रहा है। टीकाकरण में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग के लिए स्व सहायता समुह की महिलाएं भी अब मैदान में उतर आई है। जिला परियोजना अधिकारी श्रीमती सीमा निगवाल ने बताया कि, अब तक स्व सहायता समुह की महिलाएं मास्क के माध्यम से जन जागरूकता में अपना हाथ बंटा रही थी। अब टीकाकरण में भी महिलाएं अपना सहयोग देने लगी है। श्रीमती निगवाल ने बताया कि, जिले के विभिन्न विकासखंडों में अब तक 29 हजार 168 मास्क वितरित किए जा चुके है। यह मास्क स्व सहायता समुह द्वारा बनाए गए है, जिसका भुगतान मनरेगा के माध्यम से किया जाएगा। मनरेगा के तहत एनआरएलएम के स्व सहायता समुह को 1 लाख 48 हजार 140 मास्क बनाने के आर्डर दिए गए है।

ऑक्सीजन सिलेंडर की हो रही सप्लाई

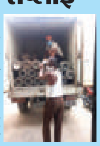

माही की गूंज, खरगोन। जिला अस्पताल सहित जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। ऑक्सीजन की लगातार सप्लाई बनाए रखने के लिए नियुक्त किए गए दो तहसीलदार लगातार सप्लाई बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। बुधवार को सुबह 8 बजे 40 सिलेंडरों से भरा वाहन पहुँचा। इसके बाद दोपहर 2 बजे 100 सिलेंडर वाहन और शाम 5 बजे 50 सिलेंडरों से भरा एक वाहन पहुँचा है। नायब तहसीलदार राहुल डावर ने जानकारी देते हुए बताया कि, एक 45 सिलेंडर से भरा वाहन लोड करके खरगोन जिला अस्पताल भेजा गया है।

प्रभारी मंत्री ने कोविड कंट्रोलरूम का निरीक्षण किया

माही की गूंज, झाबुआ।

कोविड नियन्त्रण के लिए कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में स्थापित कोविड कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण बुधवार को प्रातः 11 बजे हरदीप सिंह डंग मंत्री नवीन एवं नवकरणीय, उर्जा, पर्यावरण, मध्य प्रदेश शासन एवं प्रभारी मंत्री जिला झाबुआ द्वारा किया गया। मंत्री द्वारा कन्ट्रोल रूम की समस्त व्यवस्था के अतिरिक्त यहां पर डॉक्टर की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी प्राप्त की एवं कन्ट्रोल रूम से दो कॉलर से चर्चा भी की गई एवं उन्हें स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कन्ट्रोल रूम से जो सहायता/सुविधा प्राप्त हो रही है उससे भी संतुष्टी व्यक्त की। मंत्री द्वारा अच्छे स्वास्थ्य के लिए कामना की।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा कन्ट्रोल रूम की कार्यप्रणाली के बारे में मंत्री को अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान सांसद गुमानसिंह डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, विधायक कांतिलाल भूरिया, डॉ. विक्रांत भूरिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर अनिल भाना, ई-गवर्नेंस मैनेजर धर्मेन्द्र मीणा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री ने आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में कारगर कदम उठाने एवं सभी से सहयोग करने की अपील

माही की गूंज, झाबुआ।

हरदीप सिंह डंग, मंत्री, नवीन एवं नवीनीकरण, उर्जा पर्यावरण, मध्य प्रदेश शासन एवं प्रभारी मंत्री जिला झाबुआ की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सांसद रतलाम-झाबुआ गुमानसिंह डामोर, विधायक झाबुआ कांतीलाल भूरिया, विधायक थांदला विरसिंह भूरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष शांती राजेश डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, विधायक प्रतिनिधि डॉ.विक्रान्त भूरिया, मेडिकल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मनोज बाबेल, मुस्लीम पंचायत से सलीम भाई, सामाजिक संस्थाओं से हिमांशु त्रिवेदी, कमलेश पटेल, व्यापारी संघ से प्रवीन रूनवाल, तडवी समाज से अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह डामोर, बोहरा समाज के अध्यक्ष नुरूद्दीन, सर्वसेवा भारती से बलवन ताहेड तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन , पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर जे.एस.बघेल एवं अपर कलेक्टर एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सोहन कनास, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला ज्योति परते, डिप्टी कलेक्टर अनिल भाना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जेपीएस ठाकुर , मुख्य नगर पालिका अधिकारी लालसिंह डोडीया सिविल सर्जन भी उपस्थित थे।

बैठक में प्रभारी मंत्री द्वारा अपने उद्बोधन में कोविड के नियंत्रण हेतु सभी आवश्यक कार्यवाही के लिये जिला प्रशासन को बधाई दी। जिल में सामाजिक संगठन एवं व्यापारी संघ के कार्यो की प्रशंसा की गई। आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव को अमल करने के लिये जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया। जिले में वार्डवार वेक्सिनेशन करने के लिये निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष मेडिकल एसोसिएशन द्वारा कोविड नियंत्रण के लिये बनाए गये किट की प्रशंसा की एवं उसके लिये व्यापारी संघ बोहरा संघ, सर्व सेवा भारती द्वारा यह कीट प्राप्त कर वितरण करने का आश्वासन दिया। अन्य कोई भी संगठन यह किट सशुल्क प्राप्त कर वितरण करने का आवहान किया गया। डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध के निर्देश दिये गये।

मेडिकल दुकानों पर अत्यधिक भीड़ होने पर पुलिस की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। दवाई लेने आए लोगों को वाहन प्रवेश शहर में आने के लिये प्रतिबन्ध नही हो। राज्य शासन 3 माह का राशन गरीबों को देने की व्यवस्था कर रही है। अतः घर पर ही रहे सुरक्षित रहेगे।

इस अवसर पर सांसद डामोर, विधायक झाबुआ कांतीलाल भूरिया, विधायक थांदला विरसिंह भूरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष शांती राजेश डामोर, भाजपा जिलाअध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक , डॉ.विक्रातं भूरिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने स्लाइड के माध्यम से जिले के अध्यक्ष को जिले में कोविड नियंत्रण के लिये किये गये प्रयास से अवगत कराया। मंत्री द्वारा सभी को धन्यवाद दिया एवं जिले के सभी के सहयोग से कोविड नियंत्रण के लिये बधाई दी एवं आश्वासन दिया की कोई भी प्रयास करे मैं आपके साथ हूॅ।

बोहरा जमातखाने में लगे वैक्सीनेशन शिविर में लोगों ने करवाया वैक्सीनेशन

माही की गूंज, बड़वानी।

बोहरा समाज के चल रहे रमजान रोजे के दौरान विशेष परिस्थितियों के मद्देनजर जिला प्रशासन ने समाजजनों के अनुरोध पर बोहरा जमात खाना बड़वानी में वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में अल्प अवधि में ही 120 बोहरा समाज की महिला-पुरूषों ने अपना वैक्सीनेशन करवाया है।

शिविर के दौरान समाज के आमिल साहेब, शेख युसुफजैनी ने भी आमजनों को संदेश दिया कि, कोरोना महामारी से बचने के लिए शासन ने जो टीकाकरण का अभियान चलाया है, उसके हर एक को अपना सहयोग, वैक्सीनेशन कराकर देना चाहिए। इस दौरान उन्होने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वयं लगवा चुके है दोनो वैक्सीन

वैक्सीनेशन के दौरान आमिल जैनी ने बताया कि, उन्होने रमजान के पहले ही जिला चिकित्सालय पहुंचकर अपना दोनों वैक्सीन लगवा चुके है। इस आधार पर वे दावे से कह सकते है कि, यह भी दूसरे वैक्सीन के जैसा ही है। इसकों भी लगवाने पर कोई दर्द या दूसरे साईड इफेक्ट नही होते है।

कलेक्टर उतरे सड़कों पर, 9 दुकानों को करवाया सील

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में लागू कोरोना कर्फ्यू के दुरूपयोग की सतत् प्राप्त हो रही जानकारी के मद्देनजर कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बुधवार को आकस्मिक रूप से बड़वानी नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने 9 दुकानो को नियम विरूद्ध संचालित होते पाए जाने पर उन्हे सील करवाया। वही उसमें से 3 दुकानदारों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगवाया। साथ ही इन समस्त दुकानदारों के विरूद्ध आपदा प्रबंधन के तहत एफआईआर भी करवाने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने अनावश्यक रूप से सड़कों को घूम रहे मोटर सायकिल सवारों को भी रोककर बाहर घूमने का आधार जाना। जिनके पास उचित आधार नही था, ऐसे 48 लोगों को रणजीत क्लब के अस्थाई जेल में भिजवाया। साथ ही चालानी कार्रवाई भी करवाई।

शराब की हेरा-फेरी करने वाले आरोपी पर 5 हजार का इनाम घोषित

माही की गूंज, खरगोन।

पुलिस अधीक्षक शैलेंद्रसिंह चौहान ने अवैध शराब की हेरा-फेरी करने वाले आरोपी पर 5 हजार रूपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 नवंबर 2020 को मुखबीर की सूचना पर थाना महेश्वर के रामकिशोर शुक्ला द्वारा मय पुलिस बल के दबीश देते हुए वाहन क्रमांक एमपी 11 टी 0287 को चेक करते हुए 267 लीटर 840 एमएल अवैध शराब मय वाहन के साथ जब्त की। साथ ही आरोपी दिनेश पिता गोविंद निवासी ग्राम चोली भीड़-भाड़ का फायदा उठाकर मौके से भाग गया। आरोपी का कृत्य आबकारी एक्ट होने से थाना महेश्वर में अपराध क्रमांक 430/2020 धारा 34/2 आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया। प्रकरण अनुसंधान में आरोपी दिनेश पिता गोविंद एवं गोलू उर्फ विरेंद्र पिता शांतिलाल निवासी ग्राम चोली को गिरफ्तार किया गया। वहीं अन्य आरोपी कमल पिता शिवकरण निवासी श्रीनगर कॉलोनी मंडलेश्वर फरार है। पुलिस अधीक्षक श्री चौहान ने कहा कि, फरार अरोपी कमल गणेश की सही सूचना देने वाले या उसकी गिरफ्तारी करवाने वाले व्यक्ति को घोषित 5 हजार रूपए का इनाम दिया जाएगा।

स्व. श्रीमती चावला की स्मृति में कराया भोजन

माही की गूंज, खरगोन। विगत 10 दिनों से अपना प्यारा खरगोन वाट्सअप ग्रुप और खालसा की फौज के द्वारा शहर के चिकित्सालय परिसर में मरीजों के साथ आए सहयोगियों के लिए एवं शहर के विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों को भोजन नगरपालिका के वाहन से जन सहयोग से करवाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत सरदार भजनसिंह चावला के द्वारा अपनी पत्नी जगदीश कौर चावला की स्मृति में इन संस्था के माध्यम से पूड़ी-सब्जी, खीर, दाल-चावल का भोजन बुधवार को विभिन्न स्थानों पर कराया गया।

राज्यसभा सांसद ने दिए ऑक्सीजन प्लांट के लिए 25 लाख रुपए

10 दिन में जिला चिकित्सालय में मिलने लगेगा ऑक्सीजन

माही की गूंज, बड़वानी। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने हेतु अपनी निधि से 25 लाख रुपए कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा को उपलब्ध कराए है। इस राशि से जबलपुर की कंपनी रेडिमेड ऑक्सीजन प्लांट लाकर जिला चिकित्सालय में स्थापित करेगी।

राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने बताया कि, कंपनी ने उक्त प्लांट को अगले 10 दिन में जिला चिकित्सालय में स्थापित करने का अनुबंध किया है। इस प्लांट के प्रारंभ हो जाने से जिला चिकित्सालय के कोविड केअर सेंटर के 30-40 बिस्तरों पर 24 घंटे निर्बाध रूप से ऑक्सीजन गैस की सप्लाई मिलने लगेगी। जिससे कोरोना से प्रभावित रोगियों को विशेष लाभ मिलेगा। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने राज्य सांसद के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों, गणमान्यजनों, उद्योगपतियों से भी आव्हान किया है कि, वे विश्वव्यापी कोरोना की महामारी को रोकने एवं उससे पीड़ित रोगियों के उपचार हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने हेतु उचित सहयोग प्रदान करे।

20 ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर मशीन की प्रदान

माही की गूंज, खरगोन। जिले के क्रेशर संघ के प्रयास एवं सभी के सहयोग से 20 ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर मशीन कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी के मार्गदर्शन में खनिज अधिकारी सावन चौहान द्वारा सीएमएचओ को प्रदान को गई। खनिज अधिकारी श्री चौहान ने क्रेशर संघ एवं इस पुनीत कार्य मे सहयोग करने वाले सभी नागरिकों को बधाई दी गई।

एक मुश्त नि:शुल्क दिया जाएगा तीन माह का राशन

माही की गूंज, खरगोन।

राज्य शासन द्वारा जारी आदेशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत पात्र हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों से नियमित खाद्यान्न वितरण किए जाने वाले राशन को बिना बॉयोमेट्रिक सत्यापन के तीन माह का राशन एकमुश्त निःशुल्क वितरित किया जाएगा। खाद्य विभाग के प्रमुख सचिव फैज अहमद किदवई ने कहा कि, कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए सामाजिक दूरी एवं अन्य सावधानियों का पालन करते हुए राशन का वितरण किया जाएगा। राशन वितरण के अंतर्गत पात्र परिवारों को माह अप्रैल, मई एवं जून का राशन निःशुल्क एकमुश्त माह अप्रैल में प्रदान किया जाएगा। जिन हितग्राहियों ने अप्रैल एवं मई का राशन प्राप्त कर लिया है, उन्हें माह जून का राशन निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। जिन दुकानों पर राशन की कमी हो, वहां तुरंत राशन की प्रतिपूर्ति कराई जाएगी। अभी माह जून का राशन दुकानों को जारी नहीं किया गया वहाँ भी तुरंत राशन की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

पीओएस मशीनों से होगा राशन वितरण

आदेशानुसार पात्र हितग्राहियों को पीओएस मशीन से ही राशन का वितरण किया जाएगा। उचित मूल्य दुकान पर राशन वितरण के लिए सक्षम शासकीय अधिकारी/कर्मचारी की नियुक्ति की जाकर उनकी उपस्थिति में राशन वितरित कराएंगे एवं राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की सूची जिला आपूर्ति नियंत्रक या अनुविभागीय अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। हितग्राहियों को राशन वितरण के उपरांत पावती भी दी जाएगी। वृद्धजनों एवं निःशक्त हितग्राहियों को उचित मूल्य की दुकान से आशीर्वाद योजना के अंतर्गत राशन उनके घर तक नामित व्यक्ति द्वारा पहुंचाए जाने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा हितग्राहियों को पोर्टेबिलिटी की सुविधा नहीं रहेगी। यदि वे पोर्टेबिलिटी का लाभ चाहते हैं तो उन्हें बायोमैट्रिक सत्यापन के बाद ही राशन दिया जाएगा। कोरोना संक्रमण को देखते हुए उचित मूल्य की दुकान पर भीड़ नहीं बढ़े इसके लिए दुकान के समय में वृद्धि की जाएगी। दुकान प्रतिदिन समय पर खुले यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। वितरण में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नवागत अपर कलेक्टर ने कोरोना आईसीयू में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

माही की गूंज, बड़वानी।

नवागत अपर कलेक्टर लोकेश जांगिड़ ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर स्थापित कोरोना आईसीयू के अंदर पहुंचकर भर्ती रोगियों से चर्चा कर, जहां उनका हाल-चाल जाना वही उन्हे मिल रही सुविधाओं को भी देखा।

इस दौरान उन्होने डाक्टरों के साथ स्वयं पीपीई किट पहनकर आईसीयू में उपलब्ध सुविधाओं का आकलन कर, डाक्टरों से अन्य व्यवस्थाओं संबंधित जानकारी भी प्राप्त की। जिससे भर्ती कोरोना रोगियो को ओर बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस दौरान उन्होने मौके पर उपस्थित डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंशु जावला एवं सिविल सर्जन डॉ. अरविंद सत्य से भी चर्चा कर ऑक्सीजन गैस सिलेण्डरों की उपलब्धता एवं कोरोना रोगियों के ईलाज हेतु आवश्यक दवाईओं की उपलब्धता संबंधित जानकारी भी प्राप्त की।

प्रशासन सक्रिय, नेताओं के दबाव में बड़ी संख्या के साथ हो रही शादियां भी

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

कोरोना महामारी में प्रशासन को ग्रामवासियों की तरफ से भरपूर सहयोग मिल रहा है तो प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी से निभा रहे है। हर चौराहे, नुक्कड़ पर कड़कड़ाती धूप में पुलिस जवान कोरोना वायरस की चेन को तोड़ने के लिए भरपूर प्रयास कर रहे हैं। बाहर आने-जाने वाले लोगों को पुनः अपने घर समझाइश देकर भेज रहे हैं तो ग्रामवासियों की अपने प्रतिष्ठान पूर्ण तरह बंद रखकर गाइडलाईन का पालन कर रहे हैं। सुबह-सुबह 2 घंटे फल, सब्जी, दूध, मेडिकल इत्यादि आवश्यक सामग्री के लिए छूट दी गई है जिससे खाद्य सामग्री एवं उपयोगिता वस्तु की खरीदारी हो सके।

नहीं हो रही शादियों पर रोक

सरकार के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए ग्रामीण अंचलों में शादियां रुकने का नाम ही नहीं ले रही है, जहां देखो गाड़ियां भर-भरकर बारात जा रही है, जिनको रोकने का कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। सरकार को चाहिए कि, वह ठोस कदम उठाएं वहीं शादीयो को रोका जाए, प्रशासन जब तक कड़ा रुख नहीं अपनाएगा तब तक शादियों में भीड़-भाड़ कम नहीं होगी। इस प्रकार से कोरोना वायरस की चेन तोड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

सोला टापरी सतरा नेता

आज के टाइम में घर-घर टापरे-टापरे हर गली नुक्कड़ पर नेता लोग अपनी नेतागिरी बताने से बाज नहीं आ रहे है। इनको समझना चाहिए कि, आज हमारे देश में इतना बड़ा संकट गहराया हुआ है, जिसका हमें सामना करना है और इस महामारी को भरसक प्रयास कर दूर करना है। मगर नेता है कि, अपना रौब झाड़ने से बाज नहीं आते हैं। भला पुलिस प्रशासन भी क्या करेगा। कलेक्टर के सख्त आदेश है कि, शादी-ब्याह पर कम से कम लोग एकत्रित हो लेकिन क्षेत्र में हम देख रहे हैं कि, शादी ब्याह में दो सौ से चार-चार सौ लोग गाड़ी में भर-भरकर जा रहें है। अगर उन्हें पुलिस प्रशासन रोकता है तो नेता लोग अपनी नेतागिरी का रौब झड़ते हैं, वह बड़े नेताओं से फोन लगवाकर निकल जाते है। इन नेताओं की वजह से आज कोरोना वायरस विकराल रूप ले रहा है। प्रशासन को नेताओं की न सुनते हुए अब डंडे का ही प्रयोग करना चाहिए, जब तक प्रशासन सख्ती नहीं बरतेंगा तब तक

शादी-ब्याह बंद नहीं होंगे और न ही हम कोरोना की कमर तोड़ पाएंगे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, अगर शादियों पर रोक करते हैं तो नेताओं का फोन आ जाता है, ऐसे में भला बरातों को कैसे रोका जाए।

कोविड कमांड एवं कॉल सेन्टर हर दिन ले रहा कोरोना पॉजीटिव व्यक्तियों से जानकारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में कोरोना पॉजीटिव व्यक्तियों के स्वास्थ्य, उन्हें मिलने वाले उपचार एवं कोविड केयर सेन्टर पर मिलने वाली सुविधाओं आदि की जानकारी प्रतिदिन कोविड कमांड एवं कॉल सेन्टर से ली जा रही है। इस व्यवस्था के लिए कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता के निर्देश एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन के दिशा निर्देशन में जिला स्तरीय कोविड कमांड एवं कॉल सेन्टर जिला पंचायत परिसर में बनाया गया है। जिला स्तरीय कमांड एवं कंट्रोल रूम पर तैनात कर्मचारी कोराना संक्रमित पॉजीटिव व्यकि्तयो से प्रतिदिन संपर्क कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी, उनके कान्टेक्ट में आए व्यकि्य की जानकारी, कोविड केयर सेन्टर पर मिल रही भोजन, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं, चिकित्सक एवं पेरामेडीकल स्टॉफके द्वारा स्वास्थ्य उपचार परीक्षण करने, भोजन, पीने के पानी, कोविड केयर सेन्टर की सफाई आदि व्यवस्थाओ की जानकारी प्रतिदिन ले रहे है। इतना ही नहीं प्रत्येक व्यक्ति से मोबाइल पर संपर्क कर पॉजीटिव व्यक्ति के परिवारजनों की कोरेना जांच, उनके होम क्वारेन्टीन रहने सहित परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी भी एकत्र की जा रही है। किसी भी व्यक्ति के द्वारा स्वास्थ्य संबंधित परेशानी के बारे में जानकारी देने पर तत्काल उक्त व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कॉल सेन्टर के माध्यम से मिलने वाली समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है। उक्त संबंध में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन ने बताया कोविड कमांड एंव कॉल सेन्टर के माध्यम से प्रत्येक कोरोना पॉजीटिव व्यक्ति से हमारी टीम सतत संपर्क में रहकर जानकारी लेती है। उक्त कॉल सेन्टर पर तैनात कर्मचारी प्रतिदिन जानकारी एकत्र करके हमें प्रदान करते है। उक्त जानकारी पर तत्काल हमारी टीम के सदस्य कार्रवाई प्रारंभ करते है। उन्होंने बताया जिला पंचायत में कोरोना कॉल सेन्टर भी स्थापित है, जिसके संपर्क नं. 9329109475 एवं 9516671075 है। कोरेना संबंधित किसी भी तरह की जानकारी हेतु उक्त नंबरों पर संपर्क कर सकते है। उक्त कॉल सेन्टर नं. 24 घंटे संचालित है। उक्त नंबर पर कोरोना संबंधित लक्षण, उपचार, कोरोना से बचाव के उपाय सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

कोविड केयर सेन्टर हेतु चिकित्सक एवं अन्य स्टॉफ हेतु आवेदन आमंत्रित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कोविड-19 के बढते संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए नवीन कोविड केयर सेन्टर, आइसोलेन बेड, ऑक्सीजन बेड, आईसीयू, कोविड केयर सेंटर, फीवर, क्लीनिक के प्रभावी संचालन हेतु अतिरिक्त अस्थायी मानव संसाधन अंतर्गत एमडी मेडीसीन, एमडी एनेस्थिसिया, पलमोनोलॉजिस्ट, एमबीबीएस चिकित्सक, आयुष चिकित्सक (आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथिक), स्टॉफ नर्स, (पुरूष एवं महिला), लैब टैक्नीायन पद हेतु प्रतिदिन 21 अप्रैल 2021 से वॉक इन इन्टरव्यू के माध्यम से कार्यादेष दिया जाना है। उक्त पदों के लिए इच्छुक आवेदक पदों की पूर्ति होने तक प्रतिदिन कार्यालयीन समय में अपने आवेदन पत्र कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलीराजपुर में प्रस्तुत कर सकते है। पद से संबंधित शैक्षणिक योग्यता, मासिक मानदेय, आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा किया गया है।

रामनवंमी पर आराधना के साथ कोरोना से निजात के लिए प्रार्थनाएं की

माही की गूंज, काकनवानी।

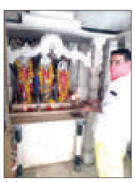

रामनवमी महोत्सव का बड़ा ही महत्व है। अभी कोरोना जैसी महामारी बीमारी को देखते हुए मंदिरों में भीड़-भाड़ ना करते हुए श्री राम दरबार में गांव के 10 लोगों ने ही मिलकर श्री राम जी की पूजा अर्चना कर आरती संपन्न की। इसी दौर में महाआरती के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के समक्ष ग्रामवासियों ने इस कोरोना आपदा को रोकने के लिए पूजा अर्चना कर प्रार्थना की है कि, यह विश्व जगत से यह बीमारी हमेशा-हमेशा के लिए विलुप्त हो जाए।

चंबल पेयजल योजना पूर्ण पर फुटी पाइपलाइन

प्रशासन ने निरिक्षण कर कार्रवाई के दिए आदेश

माही की गूंज, मंदसौर।

चंबल पेयजल योजना में सभी कार्य पूर्ण होने के बाद नगरपालिका और प्रशासन की टीम ने 18 अप्रैल से फाइनल टेस्टिंग शुरू की थी। पम्प चलाकर पाइपलाईन में पानी छोड़ा गया। लेकिन कुछ ही दूरी पर ग्राम बिशनिया के समीप पाइप लाईन फूटी मिली, इसके कारण पानी मंदसौर तक लाने का काम अटक गया है। 48 घंटे बाद भी पानी बिशनिया से आगे नहीं बढ़ पाया है। जहां पर पाइपलाईन फूटी हुई मिली है। वहां सड़क निर्माण हुआ था, इस दौरान ठेकेदार द्वारा लगाई गई मशीनरी से लाइन फूट गई थी। इसी को लेकर अब कलेक्टर ने सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई के आदेश दिए है।

पाइप लाइन फूटी होने के कारण पानी मंदसौर नहीं पहुंच पा रहा है। रविवार से ही पाइप लाइन को सुधारने का कार्य चल रहा है, मंगलवार को भी सुबह से शाम तक सुधार किया गया। अधिकारियों का कहना है कि, अब पानी आगे बढ़ेगा, सुधार कार्य पूर्ण हो गया है। मामले में कलेक्टर मनोज पुष्प ने सड़क ठेकेदार के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है। प्रशासन द्वारा बताया गया कि, कोलवी से मंदसौर तक 53 किमी. की पाइप लाईन को ग्राम बिशनिया के निकट सड़क निर्माण ठेकेदार द्वारा सड़क बनाते समय तोड़ दिया गया। ठेकेदार ने पाइपलाईन को सुधारा भी नहीं। जिससे चंबल का पानी मंदसौर पहुंचने में बिलंव हो रहा है।

नदी में तीन जगह से पानी के सैंपल लेकर की गई जांच

चंबल नदी से मंदसौर लाए जा रहे पानी की जांच पीएचई विभाग द्वारा की गई है। पीएचई के कार्यपालन यंत्री संदीप दुबे ने बताया कि, चंबल नदी में बीच से, इंटकवेल से व नदी के किनारे से कुल तीन जगह से पानी के सेंपल लेकर पीएचई की लेब में जांच की गई। पानी की रिपोर्ट बेहतर पाई गई है।

यूथ प्रेस क्लब कोविड वैक्सीन लगाने के लिए लोगों को करेगा जागरूक

माही की गूंज, भानपुरा (मन्दसौर)।

यूथ प्रेस क्लब अध्यक्ष साहिल अगवान द्वारा बताया गया कि, इस बढ़ती महामारी में वैक्सीन लगाना अनिवार्य हो गया है। जिसको लेकर यूथ प्रेस क्लब भानपुरा के साथी वैक्सीन लगाने को लेकर लोगों को जागरूक करेगे। इस मिशन को सुचारू रूप से चलाने के लिए भानपुरा के सूर्य प्रकाश भट्ट व अपूर्व चोरड़िया को प्रभारी बनाया गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में राजकुमार भट्ट, कन्हैयालाल राठौर, मुकेश राठौर, मुकेश पाटीदार, विजेंद्र सिह बना को प्रभारी नियुक्त किया गया। ये शासन-प्रशासन व सामाजिक संगठन के साथ मिलकर आम जन को कोविड वैक्सीन लगाने के लिए जागरूक करेगे।

यूथ प्रेस क्लब द्वारा पंछी बचाओ अभियान भी जारी है। जिसमें एक हजार सकोरे पंछी के लिए लगाए जाए, इस लक्ष्य के साथ कार्य किया जाएगा। जिसमें भी आमजन, शासन-प्रशासन व समाज सेवी लोगो के साथ मिलकर एक हजार सकोरे लगाने के लक्ष्य को पूर्ण किया जाएगा। पंछी बचाओ अभियान के तहसील प्रभारी सुनील माली, सह प्रभारी मोहित बगडिया, सलमान अंसारी को बनाया गया। साहिल अगवान द्वारा बताया गया कि, युथ प्रेस क्लब द्वारा जल्द ही कोरोना वोलेन्टियर का सम्मान भी किया जाएगा। यूथ प्रेस क्लब अध्यक्ष साहिल अगवान द्वारा जनता से अपील कर सरकारी गाइडलाईन का पालन करने का कहा।

सिसोदिया और श्रीवास्तव ने ठीक कर दी खराब पड़ी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

सेवा के जज्बे को सलाम

माही की गूंज, झाबुआ।

कोविड संक्रमण के समय जहां हर कोई संक्रमण से भयभीत है, तो कोई इस विपरीत समय भी अपना जेब भरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहें है। वहीं कई समाजसेवी, इंजिनियर, तकनीका सलाहाकार इस संकट में अपनी योग्यता का उपयोग किसी की मदद निः शुल्क कर अपना फर्ज निभा रहे हैं।

रोटरी आजाद के स्वास्थ्य केंद्र के संचालक संजय कुमार कांठी ने बताया कि कोविड-19 के इस संक्रमण में सबसे ज्यादा ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर की उपयोगिता इस समय ज्यादा होने से हर कोई इसकी जुगाड़ में लगा है। नए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मिल नहीं रहे है और मिल भी रहे है, तो जबरदस्त कालाबाजारी हो रही है। जो कन्सन्ट्रेटर खराब पड़े हैं, उनके पार्टस मार्केट में उपलब्ध नहीं हैं।

मशीनों को किया रिपेयरिंग

कांठी ने बताया कि ऐसे संकट के समय मेघनगर के भरत मिस्त्री और महेश प्रजापति ने पवनेन्द्र सिसोदिया से सम्पर्क किया। सेवा भावी पवनेन्द्र ने मौके की नजाकत को समझते हुए तुरन्त मशीनों को बुलाया और इलेक्ट्रीशीयन प्रमोद सिसोदिया के विशेष सहयोग तुरन्त मशीनों का रिपेयरिंग कार्य प्रारम्भ कियां। दोनों टेक्नीशियन को कार्य करता देख रोबेटिक की क्लास लेने आए राहुलसिंह सोलंकी भी क्लास छोड़ दोनों टेक्नीशियन के साथ सहयोग में लग गए। दोनों टेक्नीशियन ने लगातार पांच घण्टे काम कर दो मशीनों को ठीक कर दिया। बाकि मशीनों को ठीक करने के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं।

- ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन रिपेयर करते पवनेन्द्र और प्रमोद भाई

कलेक्टर ने माना आभार

कांठी ने बताया कि उक्त मशीन को ठीक करने के लिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मुझसे संपर्क किया था। मशीन ठीक होने की जानकारी समय-समय पर उनको अवगत कराई जा रही है। कलेक्टर मिश्रा ने रोटरीयन साथियों और पवनेन्द्र व प्रमोद को संकट के समय इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। पवनेन्द्र सिसोदिया जो कि शुरू से अपनी नए-नए तकनीकि जुगाड़ के लिए जाने जाते हैं। इन्होंने स्वयं अपने हाथों से आटोमेटिक टच लेस सेनेटाइजर जो कि पूर्ण रूप से बगैर चायना पार्टस के उपयोग के बनाया था।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया

- ऑन लाइन किया गया परिचर्चा का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ की ओर से कोरोना काल में स्वास्थ्य व इम्युनिटी बनाए रखने तथा विधिक सेवाओं, योजनाओं के प्रचार-प्रसार विषय पर जिले के 4 ग्राम ढेकल छोटी, ग्राम दौलतपुरा, ग्राम ढेबर बड़ी व ग्राम गोमला के नागरिकगणों तथा पैरालीगल वालेंटियर्स के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाईन परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला जज राजेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा अपर जिला जज राजेश देवलिया के निर्देशन में ऑनलाईन संपन्न हुआ। 4 गांवों के ग्रामीणजन अपने-अपने मोबाईल से घर से ही कार्यक्रम में जुड़े। कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम व बचाव के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के द्वारा चलाए जा रहे दो गज दूरी व मास्क जरूरी अभियान को सुचारू रूप से चलाने हेतु चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राधिकरण के सचिव तथा अपर जिला जज राजेश देवलिया ने बताया कि सभी को भीड-भाड़ वाली जगह से बचे। शारीरिक दूरी का पालन करें तथा मास्क बराबर पहने रहे। इसके साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में 45 वर्ष से ऊपर के आयु के व्यक्तियों को कोरोना वायरस से बचने के लिए टीकाकरण कराने के लिए समझाईश दी गई। आगामी 1 मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के युवक-युवतियों को अधिक से अधिक टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करने हेतु पैरालीगल वालेंटियर्स के माध्यम से प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया।

ऑक्सीजन लेकर अकेले अंगद की तरह मैदान में डटे है कांग्रेस नेता सिकरवार

माही की गूंज, शुजालपुर।

एक और जहां पूरे देश में कोरोना की इस सबसे खतरनाक लहर ने मौतों का तांडव मचा रखा है, सरकारों से व्यवस्था नहीं संभल रही है, सरकारों ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर और डॉक्टर नही मिल रहे है।

ऐसा पहली बार देखने में आया है कि, अस्पताल से लेकर श्मशान और कब्रिस्तान तक लोग लाइनों में लगे हुए हैं लेकिन न ही अस्पतालों में भर्ती होने कि जगह मिल रही है और न ही श्मशान और कब्रिस्तान में चिता जलाने की और दफ़्नाने की जगह मिल रही है। सरकार और प्रशासन मरीजों को वेंटिलेटर और ऑक्सीजन मुहैया कराने में नाकाम साबित हो रही है, ऐसे में इस घोर व भयानक विपदा के समय हार और जीत की चिंता किए बिना यदि कोई एक व्यक्ति अंगद की तरह कोरोना से लड़ाई आमजन के साथ खड़ा है तो उस देवदूत का नाम है श्री रामवीर सिंह सिकरवार

जी हां हम बात कर रहे रामवीर सिंह सिकरवार जो कि इस भयानक विपदा में राजनीति से परे विपक्ष में होते हुए जनप्रतिनिधि के पद के बिना भी खुले दिल से अपनी जेब से पूरे जिले में गंभीर मरीजों को ऑक्सीजन रूपी सांसे दे रहे हैं और उनका यह प्रयास केवल 1 दिन के लिए नहीं था वह लगातार पिछले कई दिनों से लोगों की सेवा के लिए काम कर रहे है। मरीजों की जान बचाने के लिए अपने बेटे, भाई व अपनी पूरी टीम के साथ लोगों की सांसे बचाने के लिए पूरी ताकत के साथ कोरोना को हराने का जज्बा लिए अंगद की तरह मैदान में डटे हुए हैं, आज के समय में जब नेता अपनी विधायक या सांसद निधि से एक रुपया भी देते हैं तो बड़ा आयोजन करते हैं और किए गए कार्यो का भूमिपूजन और लोकार्पण करते हैं और वहां अपनी बड़ी नाम लिखित पत्थर की सिल्ली लगाते हैं वही इन दिखाओ व आडंबर में नहीं पड़ते हैं रामवीर सिंह सिकरवार में ना ही किसी प्रकार का कोई बहाना बनाते हैं कि, मेरी सरकार नहीं या में विधायक नहीं हूं और खुले दिल से लोगों की सेवा करते हैं और उनके साथ जन सेवा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए हैं उनके छोटे बेटे और युवक कांग्रेस शाजापुर के जिला अध्यक्ष जयंत सिंह सिकरवार जो ऐसी भयानक विपदा के समय आमजन के साथ खड़ा रहे वही लीडर होता है, वही नेता होता है, वही नेतृत्वकर्ता होता है, वह अकेले दम पर सरकारी के साथ-साथ निजी हॉस्पिटल में भी ऑक्सीजन सिलेंडर दान दे रहे है और लगातार जिला स्वास्थ्य अधिकारी से आग्रह कर रहे हैं कि, जितने सिलेंडर खाली होते जाएं वह हमें देते जाए ताकि हम उनमें ऑक्सीजन भरवा कर दोबारा हॉस्पिटल को दे सके वह अब तक 150 सिलेंडर शुजालपुर व शाजापुर शासकीय व निजी अस्पतालों में दान दे चुके हैं पर अभी भी मैदान में डटे हुए हैं जब तक तब तक की कोरोना रूपी राक्षस पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता है।

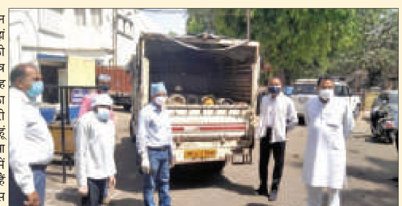

जिला चिकित्सालय परिसर में ऑक्सीजन प्लांट स्थापना हेतु कार्य प्रारंभ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जिला अस्पताल परिसर में स्थापित होने वाले आक्सीजन प्लॉट हेतु स्थल निरीक्षण करते हुए स्वयं उपस्थित रहकर कार्य कराया। कोविड-19 के मद्देनजर निर्मित हो रहे उक्त ऑक्सीजन प्लॉट को समय सीमा में तैयार करने के निर्देश दिए। प्लॉट स्थापित करने हेतु स्थल चयन एवं ले आउट की कार्रवाई कराए जाने के तत्काल बाद ही प्लेट फार्म निर्माण हेतु गढढों की खुदाई का कार्य भी हो गया। इस दौरान ईई पीआईयू श्री कटारा, सिविल सर्जन डॉ. केसी गुप्ता सहित अन्य इंजीनियर्स आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि, कोरेना संक्रमण के मद्देनजर राज्य सरकार के विष प्रयास से 200 लीटर प्रति मिनिट आक्सीजन तैयार करने वाले उक्त आक्सीजन प्लॉट के स्थापित होने से जिला चिकित्सालय अलीराजपुर आक्सीजन उपलब्धता को लेकर आत्मनिर्भरता होगा।

लाखों रुपये का चिकित्सा आवासीय भवन बनकर हुआ नाकारा साबित

सरकारी धनराशि का जमकर हुआ दुरुपयोग

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)। नितिन झकरोद

विश्व और पूरा देश वैश्विक महामारी कोविड-19 की दूसरी लहर की चपेट में होकर स्थितियां नियंत्रण के बाहर है। शहरों सहित इस बार कोरोना वायरस संक्रमण गांवों में भी दस्तक दे चुका है, वही कुशलगढ़ उपखंड की छोटी सरवा सीएचसी और मोहकमपुरा पीएचसी में स्टाफ और संसाधन के अभाव में आम जनता को नियमानुसार सरकारी चिकित्सा सेवाएं नहीं मिल पा रही है। ऐसे में मोहकमपुरा सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक सहित स्टाफके आवास के लिए लाखों रुपए की लागत से बना आवासीय भवन अब तक हैण्ड ओवर नहीं होने से नाकारा हो चुका है।

जानकारी अनुसार मोहकमपुरा पीएचसी के तहत पूर्व सरकार में भाभोरफ्लां स्कुल के पास सरकारी जमीन पर करीब तीन साल पहले एक करोड से अधिक लागत से चिकित्सक सहित स्टाफके स्थायी निवास के लिए डबल स्टोरी आवासीय भवन जिनमें एमओआईसी, कंपाउंडर, मेल नर्स, जीएनएम, एएनएम सहित स्टाफ के लिए सर्वसुविधायुक्त आवासीय भवन का निर्माण ठेकेदार फर्म की और से किया गया। मुख्य ठेकेदार ने अपना कमीशन निकाल अन्य किसी पेटी कांटेक्टर को काम देकर पूरा करवाया है। भवन पूरा होने के बाद विभागीय लापरवाही के चलते आज दिन तक भवन को विभाग ने अधिग्रहण नहीं किया, जिसके नतिजे में भवन की दो साल से कोई देख-रेख नहीं होकर रात में अवैध गतिविधियों का केंद्र बन चूका है।

बता दें कि, कस्बे में सरकारी अस्पताल में नियमानुसार जांच और सुविधा नहीं होने से म.प्र. सीमावर्ती पीएचसी के तहत आने वाली विभिन्न पंचायतों के गांवों के आमजन को चिकित्सा सुविधा मुहैया नहीं होने से क्षेत्र में नीम हकीमों की अमान्म तरिके से आधा दर्जन से अधिक दवाखाने संचालित है। बताया जा रहा है कि, पीएचसी परिसर में बरसों पहले बने आवासीय क्वाटर जर्जर अवस्था में है ऐसे में नवीन भवन बनने के बावजूद अधिग्रहण नहीं होने से स्टाफको रहने में भी भारी समस्या है।

कोविड सेन्टर एवं ऑक्सीजन, इन्जेक्शन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं- कांतिलाल भूरिया

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में बडे स्तर पर कोरोना महामारी ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रही है ये जिले अजजा बहुल क्षेत्र है तथा ग्रामीणों को होम क्वारंटाईन रखने में काफी परेशानीयों का सामना करना पड रहा है या तो वे क्वारंटाईन नहीं हो पा रहे है, इस हेतु झाबुआ, थांदला, पेटलावद में कोविड सेन्टर प्रारंभ किया जाना चाहिए, जिसमें पर्याप्त मात्रा में चिकित्सा उपकरण जैसे ऑक्सिजन, रेमडेसिविर इन्जेक्शन, आईसीयु, आवश्यक उपकरण आदी हों। उक्त मांग पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया ने झाबुआ भ्रमण पर आए प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग से की है।

उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ विक्रान्त भूरिया ने बताया कि, झाबुआ विधायक ने मंत्री को बताया कि, जिले में कोरोना महामारी ग्रामीण क्षेत्र तक अपने पैर पसार चुकी है ग्रामीण क्षेत्रों में काफी मात्रा में मरीज निकल रहे जिनकी जांच की जा रही है किन्तु रिपोर्ट आने में देरी के चलते वे अपने आप को होम क्वारंटाईन नहीं कर रहे है तथा अन्य लोगों से मिल रहे है जिससे सक्रमण बढ रहा है। श्री भूरिया ने मांग की है कि गत वर्ष प्रारंभ किए गए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कोविड सेन्टर प्रारंभ किए जावे तथा वहां पर पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन एवं आवश्यक दवाई, इन्जेक्शन तथा आईसीयु की व्यवस्था की जावे। साथ ही श्री भूरिया ने मंत्री को अवगत कराया कि, जिला चिकित्सालय में सिटीस्केन मशीन की आवश्यकता है उसकी भी पूर्ति की जावे। साथ ही सम्पूर्ण जिले में डॉक्टर एवं अन्य कर्मचारीयों की कमी को देखते हुए पेरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति तत्काल की जावे।

श्री भूरिया ने मंत्री को यह भी अवगत कराया है कि, अजजा बहुल जिले होने से यहां पर अधिकतर जनता ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है तथा वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना तेजी से फैल रहा है झाबुआ, रतलाम, अलीराजपुर के प्रत्येक कस्बे, गांव में कोरोना फैल चुका है। झाबुआ, अलीराजपुर, रतलाम में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, रेमडेसिविर इन्जेक्शन एवं आवश्यक दवाई एवं उपकरण उपल्बध कराए जाए। श्री भूरिया ने प्रभारी मंत्री को यह भी आश्वासन दिया है कि, जिले के विधायकगण उन्हे पूरा सहयोग करेगें एवं सभी को मिलकर इस महामारी से जनता को बचाना है।

बारात ले जा रहे वाहन पर की गई कार्यवाही

माही की गूंज, मेघनगर।

एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में लगातार लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है, उल्लेखनीय है कि, मंगलवार को मेघनगर और रभापुर भ्रमण पर लॉकडाउन की स्थिति देखने पहुँचे श्री गुप्ता ने इस बात के संकेत दिए थे कि, अगर लॉकडाउन का उल्लंघन किया जाएगा तो पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी. इसी क्रम में मेघनगर विकासखंड के रंभापुर में लॉकडाउन का उल्लंघन कर बारात ले जा रहे दो वाहनो को जप्त कर 188 की कार्रवाई की गई है। मेघनगर थाना प्रभारी कैलाश चौहान ने बताया कि, श्री गुप्ता और एसडीओपी श्री गवली के निर्देशन में लगातार पूरे मेघनगर विकासखंड के साथ मेघनगर और आसपास के क्षेत्रों में सख्ती से लाकडाउन का पालन कराया जा रहा है ताकि लोग सुरक्षित रहे, अनावश्यक रूप से कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने वालो पर कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में बारात ले जा रहे वाहनो को जप्त कर कार्रवाई की गई है यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को भी लगेगी वैक्सीन

माही की गूंज, झाबुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों को कोरोना का टीका लगाए जाने का निर्णय लिया है। उसके लिए जिले के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से मैं प्रधानमंत्री के इस निर्णय का स्वागत करता हूं। इस निर्णय से कोरोना महामारी पर नियंत्रण और आसान हो जाएगा। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कही। नायक ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आगामी 01 मई से 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले सभी लोगों को कोरोना का टीका लगाने का जो निर्णय लिया है, वह एक स्वागतयोग्य कदम है। देश इस महामारी को आसानी से परास्त कर सकेगा। देश की आबादी में बड़ी संख्या युवाओं की है और उन्हें टीका लगाए जाने से देश कोरोना के असर से तेजी से उबर सकेगा। प्रधानमंत्री ने जिस तरह से चरणबद्ध तरीके से टीकाकरण का काम आगे बढ़ाया है, उससे कोरोना संक्रमण और इसके कारण होने वाली मौतों के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।

प्रभारी मंत्री डंग ने सरकारी हॉस्पिटल पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की ली जानकारी

माही की गूंज, मेघनगर।

प्रभारी मंत्री हरदीप सिंह डंग ने पदभार ग्रहण करने के बाद प्रथम बार मेंघनगर का दौरा किया, मेघनगर क्षेत्र में झाबुआ चौराहा, साई चौराहा, भंडारी चौक, अपनी गाड़ी से नगर का भ्रमण करते हुए मेघनगर के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचे एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया एवं मेघनगर के हॉस्पिटल की सारी सुविधाओं को देखा एवं मेघनगर के हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों को देखा एवं उनके हालचाल पूछे। प्रभारी मंत्री ने हॉस्पिटल में कार्यरत डॉक्टर नर्स एवं कर्मचारी के भी हाल-चाल पूछे और कोई तकलीफऔर परेशानी ना हो इसकी भी जानकारी ली और कहां की आपके हौसले, आपके कार्य, आपके हौसले को सलाम करता हूं और डॉक्टर का हौसला बढ़ाया और नर्स को झांसी की रानी से संबोधित किया। सरकार की तरफसे जनता की तरफसे एवं मेरी तरफ से आप सभी को एवं उन्हें प्रणाम किया एवं सारे डॉक्टर एवं नर्स कर्मचारी सभी के लिए तालियां बजाई। मरीजों से कहा एवं बात की कोई भी परेशानी हो तो आप डॉक्टर को फोन करिए, उनसे बात करिए, उनसे सलाह लिजीए एवं घबराए नहीं इस कठिन परिस्थिति में हम सब आपके साथ है। दौरे में प्रभारी मंत्री हरदीप सिंह डंग रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर के सांसद गुमान सिंह डामोर, झाबुआ जिले के भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक, जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला प्रशासन आदि मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422